देशबन्धु

वर्ष – 36 I अंक – 294 I भोपाल, सोमवार, 27 अक्टूबर 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

कहीं अतिक्रमण, कहीं सामाजिक संस्थाओं ने कब्जा कर जमाया आधिपत्य पृष्ठ 2

बिहार में मुस्लिम उप मुख्यमंत्री? जनाब वहां तो मुस्लिम मुख्यमंत्री बन चुके हैं! पृष्ठ 4

जिला अस्पतालों में भर्ती मरीजों को अब मिलेगा भोजन पृष्ठ 5

रोटरी क्लब के कार्य सबके लिए प्रेरणादायक पृष्ठ 8

सार-समाचार

सतारा में महिला डॉक्टर की मौत आत्महत्या नहीं, संस्थागत हत्या

नई दिल्ली/सतारा, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के सतारा में एक महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले पर सरकार को घेरा है। उन्होंने इसे सामान्य आत्महत्या नहीं, बल्कि 'संस्थागत हत्या' करार दिया। इसके साथ ही, राहुल गांधी ने कहा कि वे न्याय की लड़ाई में पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर लिखा, महाराष्ट्र के सतारा में बलात्कार और उत्पीड़न से तंग आकर महिला डॉक्टर की आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी है।

उपराष्ट्रपति सेशेल्स की 2 दिन की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन रविवार को सेशेल्स की दो दिन की यात्रा पर नई दिल्ली से रवाना हुए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार श्री राधाकृष्णन की सेशेल्स की यह यात्रा वहां की सरकार के निमंत्रण पर हो रही है। उपराष्ट्रपति इस यात्रा में सेशेल्स के निर्वाचित राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के विक्टोरिया में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेंगे।

म्यांमार सीमा के पास हथियारों का जखीरा बरामद

आइजोल, एजेंसी। मिजोरम के चामफाई जिले में भारत-म्यांमार सीमा के निकट असम राइफल्स ने हथियारों के एक बड़े जखीरे का पता लगाया है। यह बरामदगी वाफाई ग्राम परिषद के अधीन सैखुमपाई क्षेत्र में की गई तलाशी कार्रवाई के दौरान हुई। बरामद हथियारों में छह 60 मिमी मोर्टार ट्यूब बेस प्लेट के साथ, दो 7.62 मिमी म्यांमार निर्मित असॉल्ट राइफलें, तीन शॉटगन, दो .22 राइफलें और एक हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। इसके अलावा, 7.62 मिमी के 40 कारतूस, 60 मिमी मोर्टार के पंद्रह गोले, दो एंटी-पर्सनल माइन और दो रेडियो सेट एंटीना व चार्जर बरामद किए गए।

भारत में होगी विमानन दुर्घटना जांच समूह की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। विमानन क्षेत्र के एशिया प्रशांत दुर्घटना जांच समूह (एपीएसी-एआईजी) की चार दिवसीय बैठक 28 अक्टूबर से भारत में होगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो 28-31 अक्टूबर 2025 तक इस बैठक और कार्यशाला का आयोजन करेगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। एपीएसी-एआईजी की वार्षिक बैठक पहली बार भारत में आयोजित हो रही है। एशिया प्रशांत क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के सदस्य देशों के साथ-साथ विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बैठक में भाग लेते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने खरना पूजा की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महापर्व छठ के खरना पूजा अवसर पर शुभकामनाएं दीं है। श्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा आप सभी को महापर्व छठ की खरना पूजा की असीम शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को सादर नमन! श्रद्धा और संयम के प्रतीक इस पावन अवसर पर गुड़ से तैयार खीर के साथ ही सात्विक प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा रही है। मेरी कामना है कि इस अनुष्ठान पर छठी मइया हर किसी को अपना आशीर्वाद दें। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ छठी मइया के गीतों का एक वीडियो भी साझा किया हैं।

'छत्रपति संभाजीनगर' के नाम से जाना जाएगा औरंगाबाद स्टेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण मध्य रेलवे ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 'छत्रपति संभाजीनगर' कर दिया है। यह बदलाव नांदेड़ मंडल के प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा स्वीकृत किया गया है। इसका नया स्टेशन कोड सीपीएसएन होगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अब इस स्टेशन को 'छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन' के नाम से जाना जाएगा। राज्य और देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देने के उद्देश्य से स्टेशन का नया नाम रखा गया है।

प्रधानमंत्री ने आसियान समिट को वर्चुअली किया संबोधित, कहा-

'हर संकट में हम साथ खड़े'

21 वीं सदी हमारी सदी है

मोदी ने कहा कि 21वीं सदी भारत और आसियान की सदी है। मुझे विश्वास है कि आसियान कम्यूनिटी विजन 2045 और विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पूरी मानवता के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करेगा।

आसियान है ईस्ट नीति का स्तंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। आसियान का 22वां शिखर सम्मेलन मलेशिया में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मलेशिया नहीं गए लेकिन उन्होंने इस सम्मेलन में वर्चुअली हिस्सा लिया। आसियान में श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आसियान के देश साझा मूल्यों की डोर से बंधे हुए हैं। 21वीं सदी आसियान देशों की सदी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि समावेशीपन और स्थिरता इस वर्ष के आसियान शिखर सम्मेलन के विषय हैं और यह विषय हमारे साझा प्रयासों को दर्शाता है। चाहे वह डिजिटल समावेशन हो, खाद्य सुरक्षा हो, या इस अशांत वैश्विक समय में लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं हों। मोदी ने कहा है कि हम साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे बीच न केवल व्यापारिक संबंध हैं, बल्कि सांस्कृतिक संबंध भी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का मुख्य स्तंभ है। भारत ने हमेशा आसियान की केंद्रीयता और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन किया है। अनिश्चितता के इस दौर में भारत-आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी निरंतर मजबूत हुई है। हमारी मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का आधार बनकर उभर रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत, हर आपदा में अपने आसियान मित्रों के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। हमारा सहयोग हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए हम 2026 में आसियान-इंडिया ईयर ऑफ मेरिटाइम कॉपरेशन घोषित करते हैं। साथही हम एजुकेशन, टूरिज्म, साइंड एंड टेक्नॉलॉजी, खेल, ग्रीन एनर्जी और साइबर सिक्योरिटी में आपसी सहयोग को भी मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। मोदी ने कहा कि अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत को संजोने और पीपुल-टू-पीपुल संबंधों को मजबूत करने के लिए हम साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

मलेशिया में रेड कार्पेट पर नाचे ट्रम्प

कंबोडिया-थाईलैंड के बीच शांति समझौता कराया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने रेड कॉर्पेट पर स्थानीय कलाकारों के साथ डांस किया। कुआलालंपुर में ट्रम्प की मौजूदगी में थाईलैंड और कंबोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। ट्रम्प ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रम्प का बड़ा रोल था।

मुख्यमंत्री ने प्रदान किए एमपी एक्सीलेंस अवार्ड, बोले-

'जॉब सीकर' नहीं 'जॉब क्रिएटर' बन रहीं महिलाएं

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनें अब जॉब सीकर नहीं, 'जॉब क्रिएटर' बन रही हैं। उद्योग और निवेश के क्षेत्र में महिलाएं वह आत्मविश्वास लेकर आई हैं, जो आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर भारत का ग्रोथ इंजन बनाएगा। प्रदेश के 47 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप में महिलाओं की हिस्सेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में भोपाल वुमेन हब द्वारा आयोजित एमपी एक्सीलेंस अवार्ड-2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. यादव ने कहा कि लखपति दीदी योजना से प्रदेश की एक लाख से अधिक महिलाएं प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। आज 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से लगभग 62 लाख बहनें जुड़कर न सिर्फ अपने घर की आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुधारने में भी अपना योगदान दे रही हैं। ग्रामीण अंचलों में स्व-सहायता समूह अब उत्पादन, पैकेजिंग, मार्केटिंग और डिजाइनिंग के क्षेत्र में कदम रख चुके हैं। प्रदेश की महिलाएं कृषि-उद्योग, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र निर्माण, बायोटेक और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति को समाज ■ शेष पृष्ठ 8 पर

इन्हें मिला सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मान समारोह में श्रेणी-1 में सुश्री गौरांशी शर्मा, सरगम कुशवाहा, भावना देहरिया, सिद्धि मिश्रा, निशिता पाठरकर, शांति देवी, श्रुति अधिकारी, लता मुंशी, मुस्कान रघुवंशी, संगीता राजगीर, शिवि श्रीवास्तव, सोमित दुबे, कनिष्का शर्मा, शिखा शर्मा, मनन सिंह और अविराज सिंह ठाकुर को सम्मानित किया। श्रेणी-2 में नमन देशमुख, मयंक तिवारी, सिमरन बहल, विजय निहाल चंदानी, माही पवार, इशिका ककड़, देवेंद्र गोरे, चिन्मय गोधा, आयुष गुप्ता, दैविका वघेला, वंशदीप, आरविका गुप्ता और सुषांत कौशल को सम्मानित किया।

रेलवे ने छठ के बाद वापस लौटने के लिए किए व्यापक इंतजाम

यात्रियों के लिए 30 स्टेशनों पर बनाए होल्डिंग एरिया

नई दिल्ली, देशबन्धु। छठ महापर्व मनाने के बाद वापस लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने व्यापक इंतजाम किये हैं। इसके लिए बिहार- पूर्वांचल क्षेत्र के 30 रेलवे स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया भी बनाए गए हैं जहां यात्री ट्रेन की रवानगी के पहले अपना समय गुजार सकते हैं।

रेलवे की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार छठ महापर्व के समापन के बाद बिहार और उसके आस-पास के जिलों से बड़ी संख्या में यात्री अलग-अलग गंतव्यों के लिए रवाना होंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। यात्रियों को सुव्यवस्थित रखने, भीड़ नियंत्रण और ट्रेनों के सुचारू संचालन के उद्देश्य से रेलवे ने बिहार और उसके निकटवर्ती राज्यों के प्रमुख स्टेशनों पर विशेष होल्डिंग एरिया ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रेल में लोग ठूंस कर घर जाने को मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने रेल मंत्रालय द्वारा महापर्व छठ के दौरान 12 हजार ट्रेन चलाने के केंद्र सरकार के ऐलान पर सवाल उठाया है। कांग्रेस सोशल मीडिया हेड सुप्रिया श्रीनेत ने सवाल किया, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव डींगे हाँक रहे थे कि त्योहार पर 12 हजार ट्रेनें चलाई जा रही हैं। भगवान ही जानें कहां चलीं यह ट्रेन क्योंकि लोग अभी भी भेड़ बकरी की तरह जिस तरह से रेल के डिब्बों में लोग ठूंस कर घर जाने को मजबूर हैं। उन्होंने रेल मंत्री को रील मंत्री बताते हुए कहा कि वह एसी वाले यात्रियों के लिए प्रिंटेड कंबल का अनावरण करने में व्यस्त हैं जनता परेशान हो इससे उन्हें क्या।

लेह में लगे भूकंप के हल्के झटके

श्रीनगर, एजेंसी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इस हादसे में हालांकि जान-माल के किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 3.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार रविवार सुबह 7:30 बजे लेह में भूकंप आया। उन्होंने कहा कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.6 दर्ज की गई जबकि इसकी गहराई जमीन के नीचे 10 किलोमीटर पर थी। इस भूकंप के परिणामस्वरूप किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गौरतलब है कि इससे पहले 13 अक्टूबर की देर रात को भी इसी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई तथा इसकी गहराई 10 किलोमीटर पर स्थित थी।

तमिलनाडु पर चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का खतरा

- 8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा
- उत्तरी तटीय क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

चेन्नई, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र धीरे-धीरे तेज हो रहा है और सोमवार सुबह तक इसके चक्रवाती तूफान 'मोंथा' में तब्दील होने की आशंका है। रविवार को भारत मौसम विभाग द्वारा जारी इस चेतावनी के बाद तमिलनाडु में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक इस चक्रवाती तूफान की गति अब उत्तर-पश्चिम की तरफ है और यह लगभग 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। अगले दो दिनों में इसके कारण तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय जिलों में भारी बारिश और तेज हवा होने की संभावना है। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र रविवार सुबह 5.30 बजे चेन्नई से लगभग 800 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में केंद्रित था। आईएमडी का अनुमान है कि यह दवाब सोमवार सुबह तक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य हिस्से में एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिस्टम उत्तर-उत्तर-पश्चिम की दिशा में बढ़ता रहेगा और सोमवार रात या मंगलवार सुबह तक यह गंभीर चक्रवाती तूफान बन सकता है। यह तूफान मंगलवार शाम या रात तक आंध्र प्रदेश के तट से काकीनाडा के पास, मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच होकर गुजर सकता है। तूफान के दौरान हवा की गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। आंध्र और उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। जो मछुआरे पहले से ही समुद्र में हैं, उन्हें उफनती लहरों और ■ शेष पृष्ठ 8 पर

घर में जिंदा जले दो भाई, तीसरा गंभीर

बाड़मेर, एजेंसी। राजस्थान के सीमावर्ती बाड़मेर जिले में रविवार सुबह एक भीषण अग्निकांड ने पूरे इलाके को दहला दिया। जिले के जस्तानियों की ढाणी, भाड़खा गांव में एक घर में अचानक आग लग गई, जिसमें सो रहे तीन चचेरे भाई लपटों की चपेट में आ गए।

हादसे में दो युवकों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे जोधपुर रेफर किया गया है। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू करवाया।

जानकारी के अनुसार, देवीलाल के घर में रविवार तड़के अचानक आग लग गई। घर के जिस ईंटों के बने कमरे में तीनों चचेरे भाई सो रहे थे, वह पलभर में लपटों में घिर गया। अरुण (19), राजू (12) और जसराज (21) आग की चपेट में आ गए। ग्रामीणों ने शोर सुनते ही मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक अरुण और राजू की मौत हो चुकी थी। जसराज बुरी तरह झुलस गया, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया और बाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया।

बिहार विधानसभा चुनाव: तेजस्वी ने की बड़ी घोषणाएं

वक्फ बिल को कूड़ेदान में फेंक देंगे

पंचायत प्रतिनिधियों को देंगे पेंशन, 50 लाख का बीमा

कटिहार, एजेंसी। महागठबंधन के मुख्यमंत्री के चेहरे और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कटिहार जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वक्फ बिल को लेकर बड़ा बयान दिया। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार आने पर वक्फ (संशोधन) अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। वहीं उन्होंने नीतीश कुमार पर भी जमकर निशाना साधा।

चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने हमेशा सांप्रदायिक ताकतों का समर्थन किया है। उन्हीं की वजह से आरएसएस और उसके सहयोगी संगठन राज्य और देश में सांप्रदायिक नफरत फैला रहे है। भाजपा को 'भारत जलाओ पार्टी' कहा जाना चाहिए। अगर राज्य में इंडिया ब्लॉक सत्ता में आता है, तो हम वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक देंगे। तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता 20 साल पुरानी नीतीश कुमार ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नीतीश का राजद पर करारा प्रहार, कहा-

लोग अराजकता के दौर में वापस नहीं लौटेंगे

पटना, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हैं। राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर करारा प्रहार करते हुए 2005 से पहले के दौर को याद किया और बताया कि उन्होंने 20 सालों में क्या बदलाव किए। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि 2005 से पहले का दौर आप सब सबको याद होगा, जब बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर था। हर तरफ अराजकता का माहौल था। लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया था। शाम 6 बजे के बाद लोग अपने घरों से बाहर नहीं ■ शेष पृष्ठ 8 पर

संतरा तोड़ने महाराष्ट्र गये थे मैहर के मजदूर

खेत मालिक ने बंधक बनाया, प्रशासन और पुलिस ने कराई वापसी

मैहर, देशबन्धु। मैहर के ये ग्रामीण मजदूर अगस्त 2025 में रोज़गार की तलाश में अपने परिवारों सहित घर से निकले थे। कुल 12 लोग जिनमें पुरुष, महिलाएं, बच्चे और लड़कियां शामिल थीं। ये सभी महाराष्ट्र के जालना जिले पहुंचे, जहां उन्हें स्थानीय निवासी आबा नामक व्यक्ति के खेत में संतरे तोड़ने का कार्य दिया गया।

शुरुआत में सबकुछ सामान्य रहा। मजदूर संतरे तोड़ने का काम करने लगे लेकिन दीपावली के कुछ दिन पहले जब उन्होंने अपने घर लौटने की बात कही तो खेत मालिक आबा ने उन्हें जाने से रोक दिया। मजदूरों के अनुसार, उसने कहा कि संतरे के बाद गन्ने की कटाई का काम करना होगा तभी वापस भेजा जाएगा। जब मजदूरों ने इसका विरोध किया तो उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास किया गया। उन पर निगरानी रखी जाने लगी। भय के माहौल में मजदूरों ने चुपचाप अपने घरवालों से संपर्क कर मदद की गुहार लगाई।

सूचना मिलने पर मैहर जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र पुलिस से संपर्क किया। समन्वय के बाद जालना पुलिस ने सभी मजदूरों को मुक्त कराकर सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित की। सभी मजदूर ट्रेन के माध्यम से महाराष्ट्र से इटारसी होते हुए मैहर पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर श्रम निरीक्षक नरेश पटेल ने टीम के साथ मजदूरों का अगवानी की और सभी से बातचीत कर रिपोर्ट तैयार की। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मजदूरों के साथ किसी भी तरह की ज्यादती नहीं होने दी जाएगी। भविष्य में ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए निगरानी प्रणाली और सख्त की जाएगी। सभी मजदूरों को सुरक्षित मैहर लाया गया है, जहां से सभी मजदूर अपने घर वापस हो जाएंगे।

सार-समाचार

युवक ने छत पर फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुना, देशबन्धु। शहर की सांई सिटी कॉलोनी, मुहालपुर रोड पर शनिवार देर रात एक युवक ने अपने घर की छत पर बने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान पिंकू पुत्र सुंदरलाल ओझा (लगभग 30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो पेशे से प्लंबर था।

यह हृदय विदारक घटना तब सामने आई जब पिंकू के बड़े भाई ने रविवार सुबह कमरे का पर्दा हटाकर देखा। बताया जा रहा है कि युवक की मां कमरे के पास ही छत पर खाना बना रही थी, लेकिन उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं हो पाई। अनुमान है कि पिंकू ने देर रात के समय फांसी लगाई होगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल गुना भेज दिया गया। मृतक पिंकू के परिवार में उसकी दो छोटी-छोटी बच्चियां हैं। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिसके चलते आत्महत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। कैंट पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है ताकि युवक द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाए जाने के पीछे के कारणों का खुलासा हो सके।

नरवाई जलाने वाले किसान पर ढाई हजार का जुर्माना

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के सख्त निर्देश पर जिले में खेतों में फसल अवशेष (पराली/नरवाई) जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध को लागू करते हुए, नियम तोड़ने वाले कृषकों के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मध्य प्रदेश शासन पर्यावरण विभाग द्वारा नरवाई जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

कलेक्टर ने सभी संबंधित उपखंड मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए हैं कि जो कृषक निदेशों का उल्लंघन करते हुए पराली जलाते पाए जाएँ, उनके विरुद्ध नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के प्रावधान अनुसार पर्यावरण मुआवजा वसूला जाए। इसी क्रम में, अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) राघौगढ़ अमित सोनी के मार्गदर्शन में तहसील मकसूदनगढ़ अंतर्गत कार्रवाई की गई। ग्राम खेजड़ा के कृषक दीवान सिंह पुत्र परशुराम मीणा द्वारा खेत में पराली जलाए जाने की सूचना मिलने पर राजस्व अमले ने मौके पर निरीक्षण किया। जाँच के बाद, कृषक दीवान सिंह पर 2500 का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया, जिसे चालान सहित वसूल किया गया। मौके पर तहसीलदार डॉ. उदय सिंह, नायब तहसीलदार कमल सिंह कोली, पटवारी और कोटवार आदि उपस्थित रहे।

रोजगार के लिए युवा संगम कार्यक्रम 29 को

गुना, देशबन्धु। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निदेशानुसार जिले के आकांक्षी युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम प्रत्येक माह आयोजित किया जाता है। कलेक्टर कन्याल ने कार्यक्रम के समन्वय और सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। जिला रोजगार अधिकारी बी.एस. मीना ने बताया कि यह जिला स्तरीय युवा संगम कार्यक्रम 29 अक्टूबर को हिन्दुपथ आईटीआई, राघौगढ़ (जिला गुना) में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित किया जाएगा।

यह कार्यक्रम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है। इस युवा संगम में आकांक्षी युवाओं को एक ही मंच पर रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया जाता है। कार्यक्रम में प्रदेश की निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियाँ शामिल होंगी, जिनके द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

दुर्दशा और बदहाली के शिकार गुना के पार्क

कहीं अतिक्रमण, कहीं सामाजिक संस्थाओं ने कब्जा कर जमाया आधिपत्य

गुना, देशबन्धु। एक ओर जहाँ शहर को सुंदर बनाने की बातें की जाती हैं, वहीं दूसरी ओर गुना शहर के ज्यादातर पार्क बदहाली और उपेक्षा का शिकार हैं। बजरंगगढ़ बायपास रोड के पास स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के वार्ड नंबर 23 में बना पार्क इसकी जीती-जागती मिसाल है। यह पार्क, जहाँ सुबह और शाम को महिलाएं, पुरुष और छोटे बच्चे घूमने आते हैं, लंबे समय से खराब हालत में है और जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। ऐसे में लोगों के पास सुकून के कुछ पल बिताने के लिए कोई जगह ही उपलब्ध नहीं है। वार्ड 23 के रहवासियों और पार्क में घूमने आने वाले लोगों ने बताया कि पार्क में चारों तरफ गाजर घास उगी हुई है। जगह-जगह गंदा कचरा और कांच के टुकड़े पड़े रहते हैं, जो बच्चों के लिए खतरनाक हैं। पार्क के मेन गेट की हालत भी सबसे ज्यादा खराब है, जिसमें बड़ी दरारें बनी हुई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि न तो कोई जनप्रतिनिधि और न ही प्रशासन का अधिकारी कभी पार्क का निरीक्षण करने आता है। वार्ड रहवासियों ने नगर पालिका परिषद और प्रशासन से मांग की है कि इस पार्क की व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए और उगी हुई गाजर घास की जेसीबी मशीन से सफाई करवाई जाए।

शहर के अधिकांश पार्कों की दुर्दशा : बजरंगगढ़ कॉलोनी का यह पार्क सिर्फ एक उदाहरण है। हकीकत यह है कि गुना की ज्यादातर कॉलोनियों में बने पार्कों की हालत खराब है। कई पार्क या तो अतिक्रमण की चपेट में आ चुके हैं, या फिर बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। अधिकांश पार्कों में बैठने के लिए कुर्सियां या तो टूट चुकी हैं या गायब हैं, और हरियाली के नाम पर केवल बेतरतीब घास मिलती है। नागरिकों का आरोप है कि नगर पालिका पार्कों के रख-रखाव की बात तो करती है, लेकिन इनकी दुर्दशा पर कोई ध्यान नहीं दे रही है।

गोद लेने के नाम पर आम जनता का प्रवेश बंद : शहर में कुछ पार्क ऐसे भी हैं जिन्हें सामाजिक संस्थाओं ने गोद लेने के नाम पर अप्रत्यक्ष रूप से अपना आधिपत्य जमा लिया है। इसका परिणाम यह होता है कि आम व्यक्ति का इन पार्कों में प्रवेश अघोषित रूप से बंद हो जाता है। एक बार गुना के बड़े पुल के नजदीक बनी एक शासकीय जमीन पर बनाए गए पार्क को लेकर भी इसी तरह का विवाद सामने आया था, जब आम जनता के लिए उसके उपयोग पर सवाल उठे थे। कुल मिलाकर, गुना के अधिकांश पार्क दुर्दशा का शिकार हैं, जिससे शहरवासियों को फुर्सत के पल बिताने और शुद्ध हवा लेने के लिए कोई ठ

यवस्थित जगह नहीं मिल पाती है।

स्वतंत्रता पार्क ही शहर का सहारा : इस सब के बीच, स्वतंत्रता पार्क ही आज भी शहर का सबसे विकसित और व्यवस्थित पार्क माना जाता है। यह एकमात्र ऐसी जगह है जहाँ लोग शांति से बैठते हैं, सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, और पतंजलि योग समिति जैसी संस्थाएं रोजाना योग कक्षाएं भी लगाती हैं।

शहर में प्रमुख पार्कों के हालात

गुना के हनुमान चौराहे पर नेहरू पार्क स्थित है। यहां शाम होते ही शराबी पहुंच जाते हैं और आराम से बैठकर जाम छलकाते हैं। नेहरू जयंती और पुण्यतिथि के मौके पर राजनीति दल आते हैं, साफ-सफाई करते हैं। लेकिन सालभर यह पार्क बदहाल ही रहता है। वहीं लक्ष्मीगंज स्थित शास्त्री पार्क को कुछ समय पहले विकसित किया गया था। तत्कालीन एसडीएम शिवानी गर्ग ने इस पार्क के बाहर लगने वाले फलों के ठेलों को भी हटवा दिया था और पार्क के अंदर भी साफ-सफाई करवाई गई थी। अब दोबारा यहां बदहाली देखने को मिल रही है। संजय स्टेडियम के नजदीक एक निजी संस्था द्वारा पार्क विकसित किया गया, लेकिन यहां कुछ नाम-मात्र के संगठनों को ही प्रवेश मिलता है। नियमानुसार पार्क आम नागरिकों के लिए होता है। कर्नलगंज क्षेत्र में शिवाजी नगर की ओर जाने वाले मार्ग पर लोगों ने एक पार्क विकसित किया है, जिसमें सुविधाओं का अभाव है।

व्यक्ति पर चढ़ाई थार गाड़ी, नाबालिग बेटियों के कपड़े फाड़े

जमीनी विवाद को लेकर गणेशपुरा में हुई वारदात

गुना, देशबन्धु। जिले के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत गणेशपुरा गांव में जमीनी विवाद के चलते एक व्यक्ति को थार गाड़ी से कुचलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने पीड़ित की नाबालिग बेटियों के साथ अभद्रता की और उनके कपड़े फाड़ दिए। घटनाक्रम रविवार दोपहर करीब 2 बजे सामने आया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि 40 वर्षीय रामस्वरूप नागर और उनकी पत्नी जब खेत पर जा रहे थे, तभी महेंद्र नागर सहित करीब 10 से 15 आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने रामस्वरूप नागर के साथ धारदार और घातक हथियारों से मारपीट करने के बाद थार गाड़ी चढ़ा दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान, रामस्वरूप नागर की 17 वर्षीय नाबालिग बेटियां अपने माता-पिता को बचाने के लिए आगे आईं, तो आरोपियों ने उनके साथ भी अभद्रता की और उनके कपड़े फाड़ दिए। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि इस हमले को अंजाम देने वालों में मुख्य आरोपी महेंद्र नागर के साथ-साथ जितेंद्र, कन्हैयालाल, लोकेश और नवीन सहित 10 से 15 लोग शामिल थे। हमले में घायल रामस्वरूप को गुना जिला अस्पताल लाया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। पीड़ित परिवार ने फतेहगढ़ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। रामस्वरूप की हालत गंभीर होने पर उसे भोपाल रेफर किया जा रहा है।

नवविवाहिता को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोपी गिरफ्तार

अश्लील फोटो वायरल करने का भी है आरोप

गुना, देशबन्धु। कैंट थाना पुलिस ने एक नवविवाहिता की आत्महत्या के मामले में सक्रियता दिखाते हुए आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण के एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन और सीएसपी प्रियंका मिश्रा के पर्यवेक्षण में कैंट थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव और उनकी टीम ने यह कार्रवाई की।

यह मामला 14 अगस्त 2025 का है, जब नवविवाहिता रोशनी पत्नि आकाश परिहार (25 साल), निवासी बांसखेड़ी, गुना ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले की जांच में खुलासा हुआ कि ग्वालियर निवासी अनूप सिंह राजावत और सुखदेव पाण्डे द्वारा मृतिका के अश्लील फोटो और मैसेज वायरल किए गए थे, जिससे प्रताड़ित होकर मृतिका रोशनी परिहार ने यह आत्मघाती कदम उठाया था। प्रकरण की जांच पूरी होने के बाद, 16 अक्टूबर 2025 को आरोपी अनूप सिंह राजावत और सुखदेव पाण्डे के विरुद्ध कैंट थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस ने मुखबिर सूचना पर आज 26 अक्टूबर 2025 को त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकरण के एक आरोपी अनूप सिंह पुत्र बृजेंद्र सिंह कुशवाह (राजावत) (38 साल), निवासी ग्वालियर को गिरफ्तार कर लिया और उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई

गश्त में 51 फरार वारंटी गिरफ्तार, अपराधियों में हड़कंप

गुना, देशबन्धु। एसपी अंकित सोनी के सख्त निर्देशन में गुना पुलिस ने जिले में अपराध और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए बीती रात कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। जिलेभर के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस की अलग-अलग टीमों ने एक साथ और एक ही समय में दबिश दी, जिसके परिणामस्वरूप लंबे समय से फरार चल रहे कुल 51 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया।

कॉम्बिंग गश्त से पहले, संबंधित थाना प्रभारियों और अनुविभागीय अधिकारियों ने पुलिस टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और उन्हें उनके निर्धारित क्षेत्रों में रवाना किया। इस कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीमों ने अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में गुंडा बदमाशों, निगरानी बदमाशों, स्थाई/गिरफ्तारी वारंटियों, इनामी आरोपियों और जिला बदर बदमाशों सहित विभिन्न लंबित अपराधों में फरार चल रहे आरोपियों की सघनता से तलाश की। पुलिस को इस अभियान में बड़ी सफलता मिली, जहाँ विभिन्न वारंटों में लंबे समय से फरार चल रहे कुल 51 वारंटी (19 स्थाई और 32 गिरफ्तारी) गिरफ्तार किए गए। थानावार उपलब्धियों में गुना कोतवाली से 02 स्थाई और 05 गिरफ्तारी, कैंट थाना से 03 स्थाई और 02 गिरफ्तारी, बजरंगगढ़ से 02 गिरफ्तारी, म्याना से 02 स्थाई और 03 गिरफ्तारी, बमौरी से 04 गिरफ्तारी, फतेहगढ़ से 01 स्थाई और 01 गिरफ्तारी, सिरसी से 02 गिरफ्तारी, राघौगढ़ से 02 स्थाई और 03 गिरफ्तारी, आरोन से 02 स्थाई और 02 गिरफ्तारी, विजयपुर से 01 गिरफ्तारी, धरनावदा से 02 स्थाई और 03 गिरफ्तारी, चांचौड़ा से 05 गिरफ्तारी, कुंभराज से 02 गिरफ्तारी तथा मृगवास थाना से 02 गिरफ्तारी वारंटी पकड़े गए।

हिस्ट्रीशीटर्स, गुंडा-बदमाशों की पड़ताल

इस दौरान जिले भर के सभी थाना क्षेत्रों से गश्त टीमों के द्वारा जिला बदर बदमाशों, हिस्ट्रीशीटर्स व गुंडा बदमाशों तथा अन्य लंबित अपराधों में फरार चल रहे आरोपियों आदि को भी गहनता से चैक किया गया। गुना पुलिस की इस प्रकार की ताबड़तोड़ कार्यवाहियों से अपराधियों में भय का माहौल है, वहीं आमजन में सुरक्षा के प्रति विश्वास पैदा हो रहा है। पुलिस अधीक्षक श्री सोनी ने स्पष्ट किया है कि जिले में पुलिस की अपराधियों पर इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेंगी।

हाट रोड पर ज्वैलर्स की दुकान में चोरी की कोशिश नाकाम

बदमाशों ने दुकान के मीटर से ही बिजली ली, शटर काटने का प्रयास

दुकान के ऊपर रहने वाले लोगों की सतर्कता से टल गई वारदात

गुना, देशबन्धु। शहर में पिछले कुछ दिनों से सक्रिय चोर गिरोह अब कॉलोनियों से निकलकर मुख्य बाजार को निशाना बनाने लगे हैं। बीती रात, चोरों ने शहर के बीचों-बीच हाट रोड स्थित ज्योति टॉकीज रोड पर श्री बिहारी जी ज्वेलर्स को निशाना बनाया, लेकिन दुकान के ऊपर रह रहे लोगों की सतर्कता से एक बड़ी वारदात होने से टल गई। खास बात यह है कि चोरों ने इस बार चोरी के लिए एक नया और खतरनाक तरीका अपनाया।

दुकान मालिक ने दावा किया कि दो से तीन की संख्या में आए बदमाशों ने सबसे पहले शटर के बाहर लगी चैनल के ताले तोड़

दिए। जब वे मुख्य शटर के ताले नहीं तोड़ पाए, तो उन्होंने पास में लगे बिजली के मीटर से अवैध रूप से बिजली की सप्लाई ली और ड्रिल मशीन या ग्राइंडर चालू करके शटर को काटने का प्रयास किया।

ग्राइंडर या ड्रिल मशीन चलने की तेज आवाज सुनते ही दुकान के ऊपर रह रहे लोग जाग गए। ऊपर रह रहे हर्ष जैन ने तुरंत शोर मचाया और दुकान मालिक को घटना की सूचना दी। लोगों के जागने और शोरगुल होने पर चोर अपने मंसूबों में असफल रहे और मौके से फरार हो गए, जिससे लाखों रुपये के आभूषण चोरी होने से बच गए। हाट रोड जैसे शहर के बीचों-बीच इस तरह की वारदात की कोशिश ने पुलिस की रात्रि गश्त पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय ज्वेलर्स और व्यापारियों में भय का माहौल है। व्यापारियों ने बताया कि इसी इलाके में स्थित बाबा ज्वेलर्स पर भी कुछ समय पहले चोरी का प्रयास किया गया था और हाल ही में एक चैन स्नेचिंग की घटना भी हो चुकी है।

कृषि कार्य के दौरान मृत 12 लोगों के वारिसों को सहायता स्वीकृत

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए कृषि कार्य के दौरान मृत्यु के अलग-अलग 12 प्रकरणों में मृतकों के वैध वारिसों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करने के आदेश जारी किए हैं। यह सहायता राशि संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों के प्रतिवेदन के आधार पर स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय अधिकारी, आरोन के प्रतिवेदन अनुसार, ब्रजेश पुत्र जोत सिंह यादव (निवासी झाझौन, तहसील आरोन), रामस्वरूप पुत्र मान सिंह गुर्जर (निवासी ग्राम सांकरा), जस्सू पुत्र प्राण सिंह अहिरवार (निवासी ग्राम खिरियादांगी) एवं रूप सिंह पुत्र तोरण सिंह यादव (निवासी डगराई) की खेत पर कृषि कार्य के दौरान मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार, अनुविभागीय अधिकारी, गुना के प्रतिवेदन अनुसार, शिवनंदन पुत्र मुसाब सिंह यादव (निवासी ग्राम मुहालपुर, तहसील गुना), मोती बाई पत्नि रमेश चंद्र धाकड़ (निवासी ग्राम नसीरा), हीरालाल पुत्र मदन सहरिया (निवासी ग्राम डेहरा, तहसील बमोरी) एवं नंद किशोर पुत्र देवीलाल धाकड़ (निवासी ग्राम कलोरा) की भी कृषि कार्य के दौरान मृत्यु हुई थी। इसके अतिरिक्त, अनुविभागीय अधिकारी, राघौगढ़ के प्रतिवेदन अनुसार, जसमन पुत्र गोपाल सिंह धाकड़ (निवासी ग्राम परेवा, तहसील मकसूदनगढ़) एवं भजन सिंह पुत्र खुशाल सिंह (निवासी ग्राम तोरई) और अनुविभागीय अधिकारी, चांचौड़ा के प्रतिवेदन अनुसार, अंतर सिंह पुत्र सुखलाल भील (निवासी ग्राम कांकरया, तहसील चांचौड़ा) तथा बाबूलाल पुत्र नेनकराम भील (निवासी पीपलखेड़ी खुर्द) की कृषि कार्य के दौरान मृत्यु के मामलों में भी सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

टेकरी मंदिर पर अन्नकूट में उमड़े श्रद्धालु, छप्पन भोग लगाया

महाआरती के बाद वितरित हुई प्रसादी

गुना, देशबन्धु। शहर के सबसे बड़े धार्मिक स्थल टेकरी मंदिर परिसर में रविवार को अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन पिछले 25 वर्षों से लगातार जारी है, जिसमें इस बार भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुँचकर प्रसादी ग्रहण की। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। टेकरी सरकार मंदिर परिसर में अन्नकूट महोत्सव की शुरूआत सबसे पहले बालाजी सरकार के भव्य तरीके से सजाए गए दरबार में भव्य आरती के साथ हुई। आरती के बाद बालाजी सरकार को छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया गया। प्रसादी वितरण को सुव्यवस्थित बनाने के लिए होल नम्बर 5 में न्यूनतम शुल्क पर प्रसादी के डिब्बों का वितरण किया गया। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस भव्य आयोजन में शहर के कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए और धर्मलाभ लिया। अन्नकूट महोत्सव का यह आयोजन देर शाम तक चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

यहां भी हुए अन्नकूट

रविवार को गुना के शहनाई गार्डन स्थित शिव मंदिर परिसर में भी अग्रवाल परिवार द्वारा अन्नकूट का आयोजन किया गया। सरस्वती विहार कॉलोनी स्थित श्री नर्मदेश्वर शिव भक्ति मंदिर पर आयोजित अन्नकूट में भी श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इसके अलावा अशोकनगर रोड स्थित प्रसिद्ध पंचमुखी हनुमान मंदिर पर भी अन्नकूट में हजारों श्रद्धालु उमड़े। दुबे कॉलोनी स्थित श्री चिंताहरण बालाजी सरकार धाम मंदिर में भी अन्नकूट का आयोजन हुआ। वहीं जिले के रुठियाई कस्बे में पार्षद श्वेता मनीष अग्रवाल ने अग्रवाल गार्डन में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया।

गुना में नरवाई नहीं जलाने जागरूकता अभियान तेज

गुना, देशबन्धु। जिले में पराली/फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेर्शानुसार कृषि विभाग द्वारा सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उप संचालक कृषि के मार्गदर्शन में, विगत सप्ताह में कृषि विस्तार अधिकारियों ने जिले के लगभग 150 ग्रामों का भ्रमण किया। इस सघन अभियान के तहत, उप संचालक कृषि अपने अधीनस्थ अमले के साथ विकासखंड बमौरी के अजरोड़ा, मगरोड़ा, कपासी, मुहाल कॉलोनी सहित अन्य विकासखंडों में भी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी और संबंधित कृषि विस्तार अधिकारी ग्रामों में पहुंचे। यहाँ चौपाल लगाकर किसानों को पराली/फसल अवशेष न जलाने की शपथ दिलाई गई। किसानों को जागरूक करते हुए पराली जलाने से होने वाले गंभीर नुकसानों की जानकारी दी गई, जिनमें वातावरण प्रदूषण, मिट्टी की उर्वरा शक्ति में कमी और मित्र जीवाणुओं का नुकसान शामिल है। किसानों को सलाह दी जा रही है कि वे पराली/फसल अवशेष न जलाएं और इसके प्रबंधन के लिए सुपर सीडर, हैप्पी सीडर या स्मार्ट सीडर जैसी आधुनिक मशीनों का उपयोग करके सीधे फसल की बुवाई करें।

ग्वालियर आईजी अरविंद सक्सेना ने किया गुना का दौरा

एसपी की तारीफ की, माइक्रो बीट सिस्टम को प्रभावी बनाने पर दिया जोर

गुना, देशबन्धु। ग्वालियर रेंज के आईजी अरविंद सक्सेना ने गुना जिले का दौरा किया और पुलिस अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने गुना कैंट थाने का निरीक्षण भी किया है। आईजी ने गुना एसपी अमित सोनी की प्रशंसा करते हुए उन्हें ऊजार्वान बताया। उन्होंने कहा कि एसपी सोनी के नेतृत्व में गुना में अपराधियों पर नकेल कसी जा रही है। सक्सेना ने माइक्रो बीट सिस्टम को पुलिसिंग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और इसे और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इस सिस्टम के तहत हिस्ट्रीशीटर और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए कॉलोनियों के गार्डों को भी जागरूक किया जाएगा। उन्होंने गुना शहर में माइक्रो बीट सिस्टम संभालने वाले तीन एसआई को कानून की पूरी जानकारी से परिपूर्ण करने के निर्देश दिए, क्योंकि जब बीट मजबूत होगी तो पूरा सिस्टम मजबूत होगा। पुलिस मुख्यालय की भी मंशा है कि बीट में शामिल सब इंस्पेक्टर से लेकर कांस्टेबल तक को बीएनएस का पूरा ज्ञान हो। आईजी सक्सेना ने गुना पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की और उन्हें बेहतर परफॉर्मेंस के लिए प्रोत्साहित करते हुए पुलिसकर्मियों में जोश भरा। उन्होंने कैंट थाने में साफ-सफाई और व्यवस्थित रिकॉर्ड की विशेष रूप से तारीफ की। जिन बिंदुओं पर सुधार की आवश्यकता थी, उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले दिए गए निदेर्शों पर अमल किया जा रहा है और रिकॉर्ड का अच्छा रख-

चक्काजाम करने वालों पर होगी सख्ती

विभिन्न घटनाओं के दौरान चक्काजाम करने वाले और इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता तथा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले लोगों को लेकर आईजी ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि यह कृत्य अपराध है और ऐसे लोगों पर बीएनएस के तहत केस दर्ज किए जा सकते हैं। हाल ही में जामनेर क्षेत्र में हुई एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं पर ध्यान देती है, लेकिन यदि किसी का उद्देश्य भावनात्मक से अधिक आपराधिक होता है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्टाफ की कमी पर बोले आईजी

पुलिस महकमे में स्टाफ की कमी को लेकर आईजी ने बताया कि कई पद भरे जा रहे हैं, साथ ही कुछ तकनीकी स्टाफ के पदों भी भर्ती प्रक्रिया शुरु हो गई है। आईजी ने कहा कि नया स्टाफ नई ऊर्जा के साथ काम करेगा। वाहन चोरी और आवासीय परिसरों में चोरी जैसे विशेष प्रकार के अपराधों में गुना में कमी आई है, जो महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपराधों के खुलासे और अज्ञात आरोपियों की तत्परता से गिरफ्तारी की भी तारीफ की और अपराध की प्रवृत्ति पर शिकंजा कसने की बात कही। आईजी सक्सेना ने लोगों से यातायात और किराएदारों की जानकारी देने संबंधी मामलों पर पुलिस का सहयोग करने का भी आह्वान किया है।

सम्मलेन में त्वचा रोग विशेषज्ञों ने कहा

तेजी फैल रहा नया फंगस, ठीक नहीं हो रहे दाद के मरीज

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में आयोजित त्वचा रोग विशेषज्ञों के 2 दिवसीय सम्मलेन क्यूटिकॉन एमपी 2025 का रविवार को समापन हो गया। इसके पूर्व दूसरे दिन विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने कहा कि भारत में एक नया फंगस तेजी से फैल रहा है। इस वजह से रिंग वर्म (दाद) के मरीज ठीक नहीं हो पा रहे। वहीँ मरीजों द्वारा दवा दुकानों से सीधे खरीदी जा रही दवाएं इलाज नहीं, बल्कि त्वचा को जला रही हैं। चूँकि कई ऐसे ट्यूब हैं जिनका विज्ञापन इस तरह से किया गया है कि वही दादका इलाज हैं, जबकि कई ऐसे ट्यूब हैं जो असल में फंगल के संक्रमण की दवा ही नहीं होते हैं। इस वजह से संक्रमण और बढ़ रहा है।

भारतीय त्वचा रोग विशेषज्ञ संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजूनाथ शिनाय ने कहा कि भारत में तेजी से फैल रहे एक नए फंगस ने दाद के इलाज को चुनौती बना दिया है। कई मरीज इलाज के बाद ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ हफ्तों में संक्रमण फिर लौट आता है। उन्होंने बताया कि लोग बिना चिकित्सक की सलाह के दवा दुकानों से दवाएं खरीदकर लगाते हैं, जिससे त्वचा जल जाती है। जलने के बाद कुछ समय के लिए दाद गायब लगता है, लेकिन संक्रमण जड़ों में रह जाता है और दोबारा फैल जाता है। यह फंगस एक व्यक्ति से दूसरे में बहुत तेजी से फैलता है। डॉ. शिनाय ने कहा कि मानव शरीर के किसी भी अंग से ज्यादा प्रयोग त्वचा पर किए गए हैं। लोग किसी भी समस्या पर घरेलू नुस्खे आजमाने लगते हैं। हासों पर लहसुन या टूथपेस्ट लगाने जैसी गलतियां स्थायी निशान छोड़ देती हैं। उन्होंने कहा कि आंख का दर्द हो तो लोग नेत्र विशेषज्ञ के पास जाते हैं, लेकिन त्वचा की तकलीफ में पहले दर्जनों नुस्खे आजमातें हैं और फिर चिकित्सक के पास पहुंचते हैं। यही वजह है कि कई बार इलाज मुश्किल हो जाता है। सम्मलेन में 400 से अधिक विशेषज्ञों ने पारंपरिक से लेकर आधुनिक तकनीकों तक पर चर्चा की और बताया कि त्वचा व बालों से जुड़ी बीमारियों के मामले बीते एक दशक में कई गुना बढ़ चुके हैं।

सीधे खरीदी गई दवा जला रही त्वचा

अब किशोरों तक पहुंची बालों की समस्याएं

संघ की मध्यप्रदेश शाखा के अध्यक्ष डॉ. नितिन कुमार पंड्या ने बताया कि 10 साल पहले बाल झड़ने की समस्या 40 वर्ष की उम्र के बाद दिखती थी, लेकिन अब यह समस्या 14 वर्ष तक के किशोरों में देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि बालों से जुड़े उत्पादों का बेतहाशा उपयोग इसकी एक बड़ी वजह है। बाजार में कई ऐसे निर्माता हैं जिनके पास चिकित्सा का ज्ञान नहीं है, फिर भी वे सौन्दर्य प्रसाधन उत्पाद बना रहे हैं। इन कंपनियों ने दवाओं में उपयोग होने वाले सक्रिय तत्व को क्रीम और शैंपू में मिलाना शुरू कर दिया है, जबकि यह तय करना कि कौन-सा तत्व किस व्यक्ति के लिए सुरक्षित है। यह केवल विशेषज्ञ ही कर सकता है।

बच्चों की त्वचा पर खुशबूदार पाउडर से खतरा

बच्चों की त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजरी गर्ग ने कहा कि छोटे बच्चों को खुशबूदार पाउडर लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने बताया कि साधारण पाउडर ही त्वचा को सूखा और स्वस्थ रखता है। खासतौर पर डायपर पहनने वाले बच्चों में खुशबूदार पाउडर में मौजूद रसायन त्वचा की नमी को खत्म कर उसे संवेदनशील बना देते हैं, जिससे रैशेज और फंगल के संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।

आज राजधानी में जुटेंगे प्रदेश भर के किसान

भोपाल, देशबन्धु। बीते 15 अक्टूबर से आंदोलनरत किसानों ने अपना आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि यदि उनकी मांगों पर संदेनशीलता के साथ विचार नहीं किया गया तो 'भाव दो खाद दो, मुआवजा दो, जमीन की लूट बंद करो' आन्दोलन तेज करेंगे। इसके तहत मोर्चा के आव्हान पर प्रदेश भर से किसान राजधानी भोपाल में जुटेंगे। मोर्चा के समन्वय समूक की बैठक में प्रदेश में भर में 15 अक्टूबर से जारी तहसील और जिला स्तर पर जारी आंदोलनों की समीक्षा के बाद व्यापक आंदोलन की तैयारी की रूपरेखा बनी।

किसान जागृति संगठन के इरफ़ान जाफरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव बादल सरोज, भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव, क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के बाबूसिंह राजपूत सहित बाकी संगठनों की डिजिटल भागीदारी रही। एस के एम ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा करने का आव्हान किया है। संयुक्त किसान मोर्चे ने जो 10 मांगें उठाई हैं उनमें भावान्तर नहीं भाव चाहिए, दो साल पहले चुनाव घोषणापत्र में धान की कीमत 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल पर खरीदी, अतिवृष्टि से हुए नुकसान का नजरिया या सैटेलाइट सर्वे करने की बजाय पटवारी हलके को इकाई मानकर औसत उपज की तुलना में आई कमी को आधार बनाकर क्षति का पूरा मुआवजा दिया जाए। बीमा कंपनियों द्वारा की जा रही धांधली और धोखाधड़ी रोककर नुक्सान की पूरी भरपाई की जाए। वहीं हर एक किसान को उसकी आवश्यकता के अनुरूप खाद उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही नई दरों का निर्धारण किसान संगठनों के साथ मिलकर किए जाने की मांग की गई।

मोर्चा के अलावा मप्र किसान सभा के प्रहलाद वैरागी, अखिलेश यादव, मनीष श्रीवास्तव आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन, भगवान भाई नर्मदा बचाओ आन्दोलन, आराधना भार्गव किसान संघर्ष समिति, बी के यू महाशक्ति के प्रदेश अध्यक्ष राम जगदीश दांगी, विजय कुमार आल इंडिया किसान क्रांतिकारी सभा, उमेश तिवारी टोको, रोको, ठोको मोर्चा, बबलू जाधव भारतीय किसान एवं मजदूर सेना, संदीप सिंह ठाकुर भारतीय श्रमिक जनशक्ति यूनियन, बुद्धसेन सिंह गोंड मप्र आदिवासी एकता महासभा, राजकुमार सिन्हा एन ए पी एम एवं बरगी बाँध विस्थापित एवं प्रभावित संघ, चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति ने भी इन निर्णयों का समर्थन किया है।

10 बसों से वसूला 2 लाख जुर्माना, 3 की फिटनेस निरस्त

भोपाल, देशबन्धु। परिवहन आयुक्त के निर्देशानुसार क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) ने राजधानी में सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान आरटीओ टीम ने यात्री बसों के आपातकालीन निकास द्वार, अग्निशमन उपकरण (एक्सटिंग्यूशर) और परमिट शर्तों की विस्तृत जांच की। जांच के दौरान कई बसों में गंभीर लापरवाहियां पाई गईं। इसके चलते 10 बसों से कुल 1 लाख 88 हजार रुपए का शमन शुल्क (जुर्माना) वसूला। अभियान के दौरान तीन बसों में आपातकालीन निकास द्वार पूरी तरह बंद पाए जाने के कारण उनकी फिटनेस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। बसों में आपातकालीन निकास द्वार के साथ ही अग्निशमन उपकरण की अनुपस्थिति, कालातीत प्राथमिक चिकित्सा किट और अधिक यात्रियों को भरने जैसी खामियां भी पाई गईं। विभाग ने स्पष्ट किया कि स्कूल, कॉलेज और लोक परिवहन बसों में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस प्रकार के उल्लंघन पर अब कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने कहा कि सभी वाहन स्वामियों को अपने वाहनों में सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच कराना चाहिए। आपातकालीन निकास द्वार, अग्निशमन उपकरण और फिटनेस जैसे नियमों का पालन अनिवार्य है। नियमों की अनदेखी करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध के बाद भी शहर में बेखौफ दौड़ रहे ई-रिक्शा

भोपाल, देशबन्धु। शहर की व्यस्त सड़कों पर जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस के प्रतिबंध के बावजूद ई-रिक्शा बेखौफ दौड़ रहे हैं। ऐशबाग इलाके में चार दिन पहले किशोर की मौत और लगातार हो रहे हादसों के बाद भी ई-रिक्शा पर न तो प्रशासन सख्त कार्रवाई कर पा रहा है और न यातायात व्यवस्था में सुधार दिख रहा है। जिला प्रशासन द्वारा रोशनपुरा चौराहा, जेल रोड, वीआइपी रोड और हमीदिया रोड सहित कई इलाकों में ई-रिक्शा के संचालन पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भी न इन पर कार्रवाई हुई, न निगरानी। नतीजतन, इन मार्गों पर बेखौफ दौड़ रहे ई-रिक्शा के कारण रोजाना खतरा बढ़ता जा रहा है। नाबालिग चालकों की लापरवाही, तेज रफ्तार, अचानक मोड़ और बिना परमिट चल रहे हजारों ई-रिक्शा राजधानी में बड़ा खतरा बने हुए हैं। गौरतलब हे कि शहर में 11 हजार से अधिक ई-रिक्शा बिना परमिट के चल रहे हैं, जिन्हे चलने वालों में बड़ी संख्या नाबालिग और उम्रदराजों की हैं। कई बार ई-रिक्शा चालक नशे में होते हैं और अचानक मोड़ लेने की वजह से हादसे होते हैं। वहीँ ई-रिक्शा की खराब बनावट , कम संतुलन और चढ़ाई पर वापस पीछे आने जैसी तकनीकी खामियां इन दुर्घटनाओं को और बढ़ा रही हैं।

सहस्त्रदीपोत्सव आज: 10 हजार दीपों से जगमगाएगा कोलार का सहस्त्रबाहु ब्रिज

घर-घर से पहुंचेगा उजाला

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी का कोलार रोड सोमवार शाम 10 हजार दीपों की रौशनी से जगमगाएगा। दरअसल भगवान श्री सहस्त्रबाहु (सहस्त्रार्जुन) के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर कलचुरी समाज मध्यप्रदेश एक भव्य सहस्त्रदीपोत्सव का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन जेके अस्पताल के सामने स्थित भगवान श्री सहस्त्रबाहु ब्रिज पर संपन्न होगा। दीपों से आलोकित यह दृश्य न केवल आस्था का प्रतीक बनेगा, बल्कि समाज की एकता, संस्कृति और सेवा की ज्योति बनकर पूरे भोपाल को रोशन करेगा।

कलचुरी सेना मध्यप्रदेश एवं अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस आयोजन में समाज के हजारों सदस्य दीप लेकर शामिल होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री सहस्त्रबाहु की पूजा-अर्चना, आरती और जयघोष से होगी। इसके बाद समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच विशिष्ट समाजसेवियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामेश्वर शर्मा, विशेष अतिथि महापौर मालती राय और भाजपा प्रदेश महामंत्री राजो मालवीय शामिल होंगी। अध्यक्षता एलएनसीटी समूह के अध्यक्ष एवं अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय नारायण चौकसे करेंगे।

आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी राजेश राय ने बताया कि समाज के प्रत्येक परिवार से 21 घी के दीपक, तेल और बाती लाने की अपील की गई है। यह केवल आयोजन की आवश्यकता नहीं, बल्कि समाज के आत्मगौरव और आत्मज्योति को प्रज्ज्वलित करने का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि समाज में इस अपील को लेकर उत्साह का माहौल है। बच्चे, युवा, माताएं और बहनें घर-घर दीप तैयार कर रही हैं। सभी के मन में एक ही भावना है कि हम अपने समाज का दीप स्वयं जलाएंगे, अपने भविष्य को स्वयं रोशन करेंगे। कलचुरी सेना के संगठन प्रभारी वीरसिंह राय ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज जागरण और संगठन शक्ति का उत्सव है। सहस्त्रबाहु ब्रिज पर दीपों की जगमगाहट आने वाली पीढ़ियों को एकता, संस्कृति और सेवा का संदेश देगी।

संभागायुक्त ने इज्तिमा स्थल पर ली बैठक

इज्तिमा की तैयारियों में सुरक्षा, समन्वय और संचार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

भोपाल, देशबन्धु। संभागायुक्त संजीव सिंह ने इज्तिमा स्थल पर नागरिक सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था के लिये संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अपने-अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें तथा इज्तिमा स्थल पर आने वाले जमातो की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। संभागायुक्त ने यह भी कहा कि इज्तिमा के दौरान स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ रहें तथा किसी भी आपात स्थिति में रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रहे। उन्होंने फूड सेफ्टी अधिकारी को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने एवं जल गुणवत्ता परीक्षण कराने के निर्देश दिए, जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना या अस्वास्थ्यकर स्थिति उत्पन्न न हो। श्री सिंह ने निर्देशित किया कि इज्तिमा स्थल के लिए योजना बनाई जाए और सभी विभाग उसी के अनुरूप कार्य करें, जिससे इज्तिमा सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

आईजी अभय सिंह ने निर्देश दिए कि इज्तिमा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। स्थल पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं एवं भीड़ नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था रहे तथा ट्रैफिक पुलिस द्वारा सुचारू यातायात सुनिश्चित किया जाए ताकि जमातो को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएं, जिससे जमातो को सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं इज्तिमा समिति के बीच सुगम समन्वय और संचार बना रहे। सभी विभागों को स्थल पर जाकर कार्यों की स्थिति का भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए।

गर्भवती महिलाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम आयोजित

भोपाल, देशबन्धु। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष शर्मा के निर्देश पर डॉ कैलाशनाथ काटजू सिविल अस्पताल में गर्भवती महिलाओं और प्रसवोत्तर महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की जांच व परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के नोडल अधिकारी और मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ आर के बैरागी ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9 व 25 तारीख़ को गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जाँच कर उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं का चिन्हांकन किया जाता है। यह कार्यक्रम डॉ बलराम उपाध्याय (अधीक्षक) एवं डॉ.रचना दुबे (नोडल अधिकारी) की उपस्थित में संपन्न हुआ।

डॉ बैरागी ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान शारीरिक के साथ साथ मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान महिलाएं अवसाद, चिंता और अन्य मानसिक समस्याओं से ग्रसित हो सकती हैं। अत: इस संबंध में अस्पताल के स्टाफ के साथ-साथ महिलाओं और उनके परिवार के लोगों को जागरूक किया गया है। इन समस्याओं के लिए गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिजनों को गर्भावस्था के दौरान देखी जाने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में विशेषज्ञों द्वारा आज जानकारी दी गई। इस स्वास्थ्य चर्चा में मानसिक स्वास्थ्य के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार के संबंध में परामर्श दिया गया। इस शिविर के दौरान 250 से अधिक महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य विशेषकर प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल पर जागरूक किया गया। शिविर में गर्भवती महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की स्क्रीनिंग की गई और समस्या पाए जाने पर उन्हें दवाएं और मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (मनकक्ष) की चिकित्सक डॉ मीनल जैन, चिकित्सा मनोवैज्ञानिक राहुल शर्मा, मनोरोग नर्सिंग अधिकारी सपना राय, डॉ मनोज गौड़, मनु प्रजापति ऋचा सहारे, सुशीला थापा,अपर्णा पाण्डेय, शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष पूरे अक्टूबर माह में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है । काटजू में आयोजित कार्यक्रम में मानसिक रोग विशेषज्ञों द्वारा मानसिक समस्याग्रस्त महिलाओं की देखभाल करने वालों का उन्मुखीकरण भी किया गया व मानसिक स्वास्थ्य मनहित एप और टेलीमानस सेवा पर लोगों को जागरूक किया गया।

दो दिवसीय परिसंवाद आज से

भोपाल, देशबन्धु। जनजातीय लोककला एवं बोली विकास अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्वशासी कन्या महाविद्यालय के सहयोग से जनजातीय संग्रहालय में लिखन्दरा पुस्तकालय अंतर्गत 27 एवं 28 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से त्रैमासिक परिसंवाद का आयोजन किया जा रहा है, अकादमी के निदेशक डॉ धर्मेंद्र पारे ने बताया कि परिसंवाद के पहले दिन 27 अक्टूबर को रामाख्यानों में शत्रुघ्न चरित विषय पर वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं पूर्व मंत्री उप्र सरकार डॉ. रवीन्द्र शुक्ल, झाँसी (उत्तरप्रदेश) तथा रामाख्यानों में श्रीराम चरित विषय पर मुंबई विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय (मुंबई) वक्तव्य देंगे। वहीं 28 अक्टूबर को परिसंवाद के दूसरे दिन दोपहर 1 बजे से रामाख्यानों में हनुमान चरित विषय पर प्रो. पूरनचंद टंडन (नई दिल्ली) तथा रामाख्यानों में केवट चरित विषय पर प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी (सागर) संवाद करेंगे।

डिस्लेक्सिया जागरूकता रैली आयोजित

भोपाल, देशबन्धु। गैर सरकारी सामाजिक संस्थाओं ने मिलकर बच्चों के विकासात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए रविवार को जनता के बीच डिस्लेक्सिया के बारे में जागरूकता पैदा करने की दृष्टि से जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर आत्मन संस्था, निदान सेवा समिति, सेतु विधिज्ञ, रोटरी क्लब भोपाल ईस्ट, सहारा साक्षरता एवं अनाहिता ने संयुक्त से विश्व डिस्लेक्सिया दिवस के अन्तर्गत जन जागरूकता रैली का आयोजन वोट क्लब में किया गया। रैली में मानसिक दिव्यांग बच्चों के साथ ही सभी संस्थाओ के सदस्यों सहित शिक्षक तथा मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने वाले विशेषज्ञ भी शामिल हुए। रैली में सभी प्रतिभागियों को डिस्लेक्सिया के बारे में अवगत भी कराया गया। इस रैली के आयोजन में निदान से कला मोहन पी आमदास, रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के अध्यक्ष विश्वास घुसे, मानद सचिव ऋतुराज परमार, आत्मन से सोनम छटवानी, सहारा साक्षरता से शिवराज कुशवाहा ने सक्रियता से भूमिका निभाई।

महिला क्रिकेट विश्व कप स्पर्धा में यूनिसेफ का ट्रॉफ़ी वॉक

खेल में समाज को जोड़ने और समान अवसर देने की ताकत : गुलाटी

इंदौर, देशबन्धु। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के तहत होलकर स्टेडियम में यूनिसेफ इंडिया द्वारा आयोजित ट्रॉफी वॉक ने खेल, समानता और सशक्तिकरण का अनूठा संदेश दिया है। गौरांशी शर्मा और हर्षिता जैन जैसी युवा चैम्पियनों की भागीदारी ने बाल अधिकारों और लैंगिक समानता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इसके साथ ही क्रिकेट 4 गुड क्लिनिक ने बच्चों को टीमवर्क, नेतृत्व और आत्मविश्वास की सीख दी।

इंदौर में आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के दौरान खेल और समाज सेवा का अनोखा संगम देखने को मिला। 19 अक्टूबर को भारत बनाम इंग्लैंड मैच से पहले यूनिसेफ इंडिया यूथ एडवोकेट गौरांशी शर्मा और युवा जलवायु नेता हर्षिता जैन ने फील्ड ऑफिस प्रमुख अनिल गुलाटी के साथ औपचारिक ट्रॉफी वॉक में हिस्सा लिया। यह पहल यूनिसेफ और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के बीच चल रही दीर्घकालिक साझेदारी का हिस्सा है, जिसका मकसद खेल के माध्यम से बाल अधिकार लैंगिक समानता और लड़कियों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

यूनिसेफ मध्यप्रदेश के फील्ड ऑफिस प्रमुख अनिल गुलाटी ने कहा खेल में समाज को जोड़ने और हर लड़की-लड़के को अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने का अवसर देने की ताकत है। हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा खेलने, सीखने और आगे बढ़ने के समान अधिकार पाये। उल्लेखनीय है कि गौरांशी डेफलंपिक्स स्वर्ण पदक विजेता हैं और हर्षिता बाल अधिकारों की सक्रिय समर्थक हैं। दोनों ने इस आयोजन में लड़कियों की शक्ति और नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया।

क्रिकेट 4 गुड क्लिनिक: बच्चों के आत्मविश्वास की नई पारी

इसी क्रम में इंदौर में आयोजित आईसीसी क्रिकेट 4 गुड क्लिनिक ने बच्चों को प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी लौरा वोलवार्ड्ट, क्लो ट्रायॉन और सिनालो जाफ्टा ने बच्चों के साथ प्रशिक्षण साझा किया। कार्यक्रम में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, बाल पंचायत और केयर होम्स के बच्चों सहित 25 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। बच्चों ने ऑन-फील्ड कोचिंग सत्र, टीमवर्क अभ्यास और नेतृत्व एवं जीवन कौशल से जुड़ी चर्चाओं में हिस्सा लिया। एक आदिवासी छात्रावास की छात्रा ने बताया कि इन खेलों से हमें विश्वास और टीमवर्क की ताकत समझ आई, साथ ही यह भी कि हर बच्चा कुछ बड़ा कर सकता है।

खेल से बदलाव की राह

इस आयोजन ने यह सिद्ध किया कि खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि समावेश, समानता और सशक्तिकरण की राह भी है। यूनिसेफ, आईसीसी और राज्य सरकार की संयुक्त पहल ने बच्चों को आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा दी।

क्रमांक. 2025-26/017 दिनांक: 26.10.2025

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार बनेसिंह आ. स्व. श्री ताराचद, निवासी बिलकिसगंज, तहसील व जिला सीहोर म.प्र., के स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जिसका खसरा नंबर 522/5/1/1(S) एवं 522/5/1/2(S) कुल रकबा 0.703 हेक्टेयर है जो कि ग्राम बिलकिसगंज, तहसील एवं जिला सीहोर (म.प्र.) में स्थित है उक्त भूमि के संबंध में वर्तमान में विवाद चल रहा है। अत: सर्वसाधारण, किसी भी व्यक्ति, संस्था या एजेंसी को चेतावनी दी जाती है कि उक्त भूमि का कोई भी क्रय-विक्रय, बंधक, नामांतरण अथवा अन्य किसी प्रकार का लेन-देन न किया जाए।

यदि कोई व्यक्ति उक्त भूमि के संबंध में किसी प्रकार का व्यवहार करता है तो वह स्वयं अपने जोखिम एवं उत्तरदायित्व पर करेगा, भूमि स्वामी अथवा उनके उत्तराधिकारियों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सर्वसाधारण को सूचित होवे।

एडवोकेट भारती मीना
भोपाल, म.प्र.

भोपाल, सोमवार 27 अक्टूबर 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

आसियान में मोदी की गैरहाजिरी

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन, आसियान का शिखर सम्मेलन मलेशिया में होने जा रहा है। जिसमें इस बार भारत की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं हो रहे हैं, उनका प्रतिनिधि बनकर एस जयशंकर पहुंच रहे हैं। श्री मोदी की गैरहाजिरी को लेकर कोई ठोस कारण अब तक सामने नहीं आया है कि फलां-फलां वजह से मलेशिया पहुंचना बिल्कुल ही असंभव था। हालांकि कांग्रेस पार्टी का कहना है कि ट्रंप से आमना-सामना न हो, इससे बचने के लिए नरेन्द्र मोदी आसियान में नहीं गए। वहीं हो सकता है कि बिहार चुनाव की व्यस्तता भी मोदी को देश के लिए जरूरी कामों से दूर कर रही है। प्रधानमंत्री का काम छोड़कर बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करने का काम मोदी पहले भी करते रहे हैं। बहरहाल, आसियान जैसे मंच क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए जरूरी होते हैं। मोदी बार-बार भारत को विश्वगुरु बनाने की बात करते हैं, लेकिन सोचने वाली बात है कि क्या इस तरह भारत का रसूख कायम होगा। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष जब आपस में मिलते हैं तो जरूरी मुद्दों पर चर्चा होती है, कई ऐसे समझौतों की राह बनती है, जो फोन पर चर्चाओं में संभव नहीं है।

अमेरिका से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मलेशिया पहुंचे हैं और रास्ते में वो कतर होते हुए आए। दुनिया के दूसरे कोने से ट्रंप बार-बार एशिया का रुख कर रहे हैं, क्योंकि यहां उन्हें व्यापारिक, राजनैतिक, सामरिक लाभ नजर आ रहे हैं। रविवार सुबह ट्रंप रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे और कुआलालंपुर में उनकी मौजूदगी में थाईलैंड और कम्बोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ट्रंप ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। गौरतलब है कि थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रंप की अहम भूमिका बताई जा रही है। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में रणनीतिक तौर पर खुद को शांतिदूत साबित करने में लगे हुए हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध रुकवाने का दावा कम से कम 50 बार तो कर ही चुके हैं, जिसे मोदी ने गलत साबित करने की पुख्ता कोशिश एक बार भी नहीं की। उधर रूस से तेल खरीद को रोकने के लिए भी ट्रंप भारत पर दबाव बनाने की बात कह रहे हैं। मोदी इसे भी नकार नहीं रहे।

ऐसा नहीं है कि ट्रंप बड़ी नेकनीयत से ये सारे काम कर रहे हैं। शांति का उनका विचार गांधी और नेहरू के विचारों से दूर-दूर तक मेल नहीं खाता है। ट्रंप दबाव की राजनीति में यकीन रखते हैं और दुनिया पर वही थोप रहे हैं। अगर भारत की मौजूदा सरकार गांधीवादी सिद्धांतों और नेहरूवादी रणनीति के साथ बढ़ती तो ट्रंप की हिम्मत नहीं होती कि वो इतनी बेतकल्लुफी के साथ भारत के प्रधानमंत्री के लिए बयान देते। लेकिन अभी की शर्मनाक हकीकत यही है। ट्रंप शांतिदूत वाले चोगे को पहनकर बड़ी चतुराई से भारत को अलग-थलग कर रहे हैं।

पाकिस्तान पूरी तरह से ट्रंप की सरपरस्ती में है, अब मलेशिया में ट्रंप की मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली है। चीन भी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को समर्थन देता है और अब व्यापार के फायदे को देखते हुए अमेरिका और चीन बाकी विवादों को सुलझा लेंगे, तब भारत के लिए खतरे कितने बढ़ जाएंगे, इस बात पर मोदी सरकार को ध्यान देना चाहिए। भारत पर तो अमेरिका ने भारी भरकम टैरिफ लगा ही दिया है, इसके अलावा एच 1 बी वीज़ा को भी इतना कठिन कर दिया है कि हजारों परिवार इससे प्रभावित हो गए हैं। वहीं चीन पर भी अमेरिका ने टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में चीन ने अमेरिकी किसानों से सोयाबीन खरीद को रोक लगाकर अमेरिका की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर चोट की है। इसके अलावा चीन रेयर अर्थ यानी धरती के दुर्लभ खनिजों को भी अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। ये ऐसे खनिज हैं, जिनके बिना सेमीकंडक्टर, हथियार सिस्टम, गाड़ियां या स्मार्टफ़ोन तक नहीं बनाए जा सकते। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को इन दुर्लभ खनिजों की लगातार जरूरत है। चीन के अलावा और जिन देशों में इनकी उपलब्धता है, वहां तो अमेरिकी दबाव काम कर जाता है, मगर चीन के साथ ट्रंप को आमने-सामने समझौता करना पड़ेगा। चीन की भी व्यापार, रोजगार आदि की अपनी समस्याएं हैं, जो अमेरिकी टैरिफ से और बढ़ी हैं। लिहाजा दोनों देश अब व्यापार के मुनाफे को अहमियत देते हुए किसी बड़े समझौते पर राजी हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति इसी तरह काम करती है, जहां अपना नुकसान कराए बिना सामने वाले पक्ष को राजी किया जाता है। फिलहाल भारत में ऐसी कूटनीति नदारद है। नरेन्द्र मोदी दुनिया भर के नेताओं से गले मिल लें, हाथ मिलाकर फोटो खिंचवा लें, हंसी-ठट्ठा करते दिखें, लेकिन जनता के धन पर हो रही इन खर्चीली मुलाकातों से देश को आखिर में क्या हासिल हो रहा है, यह सवाल सरकार से किया जाना चाहिए। ट्रंप से मलेशिया में मुलाकात कर, आंख में आंख डालकर अगर मोदी यह पूछ सकते कि आप हमें कैसे निर्देशित कर सकते हैं कि हम रुस से तेल खरीदें या न खरीदें। अगर मोदी यह पूछ सकते कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों पर आप बिना अधिकार के बयान क्यों दे रहे हैं। अगर मोदी यह पूछ सकते कि आपने मेरे देश के लोगों को जंजीरों में बांधकर अपने सैन्य जहाज में भरकर क्यों भेजा। तब तो मोदी के विश्वगुरु बनने की संभावनाएं दिखतीं, अभी तो संभावनाओं की जगह केवल शर्मिंदगी दिख रही है।

बिहार में मुस्लिम उप मुख्यमंत्री? जनाब वहां तो मुस्लिम मुख्यमंत्री बन चुके हैं!

जो मुस्लिम के नाम, जबान, कपड़े, त्यौहार, खाने-पीने सब को संदेह के घेर में लाने की कोशिश कर रहे हों वे अचानक इस बात के लिए फिक्रमंद हो गए कि बिहार में महागठबंधन मुस्लिम के लिए उप मुख्यमंत्री पद की घोषणा नहीं कर रहा है!

इसमें सबसे ज्यादा दु:ख और फिक्र की बात यह है कि मुस्लिमों का एक हिस्सा इस दुष्प्रचार में फंस रहा है। वे भी ऐसी बातें करने लगे जैसी बीजेपी, प्रशांत किशोर, चिराग पासवान, नीतीश कुमार की पार्टी, गोदी मीडिया, भक्त वगैरह वगैरह कर रहे हैं।

मुस्लिम यह नहीं सोच रहा कि यह हमारे अचानक हमदर्द कहां से बन गए? और अगर बन गए हैं तो पहले उन गिरिराज सिंह से क्यों नहीं पूछ रहे जो मुस्लिम को नमकहराम कह रहे हैं। पाकिस्तान तो वे हमेशा से भेजते रहते हैं! मुस्लिम को यह सोचना चाहिए कि उप मुख्यमंत्री एक इतनी सामान्य, स्वाभाविक चीज है जो तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने पर उनके समुदाय को मिलना ही है।

मगर क्या इस पद से आज जो मुस्लिम के सामने समस्याएं बना दी गई हैं उनका कोई हल होगा? समस्याएं वास्तविक हैं और यह पद एक भावनात्मक रीलिफ। केवल एक जबर्दस्ती का गोल दे दिया कि इसे हासिल करके बताओ। उसका कोई मतलब नहीं है।

मुस्लिम को राजनीतिक रूप से सचेत होने की बहुत जरूरत है। जज्बाती सवालों से दूर होने की। अफसोस मुस्लिम का एक हिस्सा इस उपमुख्यमंत्री पद के झमेले में फंसकर कांग्रेस और आरजेडी से ऐसे सवाल पूछ रहा है जैसे बीजेपी और उसके समर्थक। ऊपर जो नाम हमने लिखे चिराग, प्रशांत किशोर, नीतीश यह सब प्रच्छन्न रूप से बीजेपी ही हैं। ओवैसी भी इसमें शामिल हैं। उनकी पार्टी के लोग और ज्यादा तुर्शी से सवाल पूछ रहे हैं।

हमने ऊपर यह भी लिखा कि तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने के साथ एक मुस्लिम उप मुख्यमंत्री भी बनेगा। यह एक इतनी बड़ी सच्चाई है जो सबको मालूम है। सवाल उठाने वाले भाजपा और उसके सहयोगियों को भी। मगर क्या वे ऐसा चाहते हैं? कभी नहीं! फिर क्यों सवाल उठा रहे हैं? बस यही मुस्लिमों को सोचना चाहिए। वे इसलिए एक नान इशु को इशु बना रहे हैं कि इसी के जरिए वे मुस्लिम के खिलाफ और माहौल बना सकते हैं। और मुस्लिम के खिलाफ माहौल बनाने का मतलब उसके जरिए हिन्दुओं का ध्रुवीकरण।

वही पुराने झूठ का राग फिर से अलापना कि देखो कांग्रेस आरजेडी मुस्लिम तुष्टिकरण कर रहे हैं। मुस्लिम की पार्टी है यह। किसी वर्ग विशेष की पार्टी बनाकर दूसरे बड़े समुदाय को भड़काना इनका पुराना खेल है। यूपी में सपा को खुलेआम यादवों की पार्टी कहा जाने लगा है। बिहार में इतना खुलकर यादवों के खिलाफ नहीं बोला जा रहा है मगर मुस्लिम को उनके साथ टेग करके हिन्दुओं के दूसरे वर्गों को भड़काया जा रहा है। एमवाय एक ऐसा ही नाम है जो मीडिया ने लालू के खिलाफ इस्तेमाल किया। एमवाय कहकर लिखकर बाकी लोगों को आरजेडी से दूर करने का प्रयास किया। इसलिए राहुल गांधी ने कहा कि हम गरीब सवर्णों के भी साथ खड़े हैं।

शकील अख्तर

> मगर क्या इस पद से आज जो मुस्लिम के सामने समस्याएं बना दी गई हैं उनका कोई हल होगा? समस्याएं वास्तविक हैं और यह पद एक भावनात्मक रीलिफ। केवल एक जबर्दस्ती का गोल दे दिया कि इसे हासिल करके बताओ। उसका कोई मतलब नहीं है। मुस्लिम को राजनीतिक रूप से सचेत होने की बहुत जरूरत है। जज्बाती सवालों से दूर होने की।

आज के वक्त में सबसे बड़ी जरूरत झूठी धारणाओं से बचने और बचाने की है। अगर उप मुख्यमंत्री मुस्लिम को देंगे की घोषणा हो जाती तो अभी तक पूरा चुनाव एक नया टर्न ले चुका होता। यहां महागठबंधन ने राजनीतिक समझदारी का परिचय दिया। मगर उस हद तक मुस्लिम नहीं दे पाए। सिर्फ बीजेपी कहती तो वे समझ भी जाते कि इस पार्टी ने तो जो दो नेता मुस्लिम थे मुख्तार अब्बास नकवी और शाहनवाज हुसैन और जिनकी भाजपा भक्ति किसी भाजपा के नेता से कम नहीं थी उन्हें भी मंत्री पद तो छोड़िए सांसदी से भी हटा दिया। बिहार में एक मुस्लिम को टिकट नहीं दिया। वह मुस्लिम उप मुख्यमंत्री का मुद्दा केवल इसलिए उछाल रही है कि अगर दबाव में आकर घोषणा कर दें तो तुष्टिकरण का राग फिर से शुरू और अगर नहीं करें तो मुस्लिम को भड़काना शुरू कि तुम तो किसी गिनती में ही नहीं हो।

मगर बीजेपी के सुर में सुर मिलाकर जिस तरह ओवैसी की पार्टी इस मुद्दे को तूल देने में जुटी उससे मुस्लिम कुछ हद तक बहक गया। मुस्लिम को यह समझना चाहिए कि ओवैसी अभी सबसे आगे आगे मोदी का प्रचार करने वर्ल्ड टूर पर गए थे। इस झूठ का पर्दाफाश हो चुका है कि दुनिया को भारत की स्थिति बताने के लिए विभिन्न डेलिगेशन जिनमें ओवैसी के जाने का सबसे ज्यादा प्रचार किया गया, गए थे। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने आपरेशन सिंदूर का राजनीतिक लाभ लेना शुरू करके बता दिया कि विभिन्न देशों में डेलिगेशन पहुंचाने का उद्देश्य भारत की नहीं अपनी छवि बनानी थी। ओवैसी मोदी को ही राजनीतिक लाभ पहुंचा रहे थे। और अब बिहार में मुस्लिम बहुल इलाके सीमांचल से अपनी पार्टी के 25 से ज्यादा उम्मीदवार लड़वाकर वे केवल महागठबंधन को नुकसान पहुंचाने की ही कोशिश कर रहे हैं। पिछली बार 2020 में उनकी पार्टी ने पांच सीटें जीती थी। वहां 36 साल और 16 साल से जीत रहे कांग्रेस के उम्मीदवारों को हरा दिया। मगर उससे भी खास बात यह रही कि जीते हुए 5 में 4 विधायक बीजेपी समर्थित नीतीश के साथ चले गए।

तो मुस्लिम को ओवैसी को भी अच्छी तरह समझने की जरूरत है। उनकी जज्बाती तकरीरें मुस्लिम को अच्छी तो बहुत लगती हैं मगर उनकी वास्तविक समस्याओं के निरावरण के लिए उनमें कुछ नहीं होता है। केवल लफ्ज़ ही लफ्ज़! भड़काई हुई भावनाएं ही भावनाएं!

मुस्लिम को आज क्या चाहिए? सबसे पहले तो उसे 2014 से पहले के सामाजिक हालात चाहिए। और उसे ही नहीं सबको चाहिए। 2014 के बाद मुस्लिम पर तो अत्याचार बढ़े ही हैं दलित, पिछड़े आदिवासी पर भी बढ़े हैं। पहले प्रेम समावेश एक दूसरे के सम्मान का माहौल था। अब नफरत विभाजन एक दूसरे का उपहास अपमान का माहौल है। लींचिग जैसा शब्द पहले सुना भी नहीं था। मगर अब मुस्लिम दलित किसी पर भी कोई झूठा आरोप लगाकर सत्ता समर्थित भीड़ उसकी पीट-पीट कर हत्या कर सकती है।

यूपी में पुलिस इंसपेक्टर सुबोध कुमार सिंह की लीचिंग हुई, हरियाणा में छात्र आर्यन मिश्रा की। बाकी दलित मुस्लिम पिछड़ों आदिवासियों की तो लंबी फेहरिस्त है। इनके अलावा दूसरों की भी जो समाज में ऊंचा स्थान रखते हैं मगर कहीं न कहीं कोई भी समाज दूसरे से कमजोर होता है तो उसका नंबर भी लग जाता है कि लिस्ट छोटी नहीं है।

यह समाज की देश की मूल समस्या है। आपस में एक दूसरे से नफरत करता, लड़ता समाज खोखला हो जाता है। मगर बीजेपी को इसकी चिंता नहीं है। उसे इसी में वोट दिखाई देता है।

आज बिहार का चुनाव पूरे देश के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर मोदी जीत गए तो फिर नफरत और विभाजन की राजनीति और तेज होगी। इसके बाद बंगाल है वहां भी फिर वे वही हिन्दू-मुस्लिम, घुसपैठिए का सवाल ही लेकर जाएंगे। और अगर हार गए तो सीधा मैसेज यह जाएगा कि यह चुनाव महागठबंधन ने रोजगार, सरकारी नौकरी के मुद्दे पर मोदी से छीन लिया।

फिर इसके बाद बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी जहां अगले साल चुनाव होना है वहां नफरत विभाजन के मुद्दे कमजोर हो जाएंगे। देश को इस समय इसी की जरूरत है कि जनता से जुड़े असली मुद्दों पर सरकार बात करे। हवा हवाई बातों पर नहीं कि 50 साल पहले यह क्यों हुआ था और 500 साल पहले क्यों?

इसलिए उप मुख्यमंत्री का सवाल बेमानी है। खास तौर से उस बिहार में जहां आज से पचास से ज्यादा साल पहले मुस्लिम मुख्यमंत्री बन चुका हो। अब्दुल गफूर 1973 में बिहार के मुख्यमंत्री बन गए थे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

रूसी तेल कंपनियों पर ट्रम्प के नवीनतम प्रतिबंध ने भारत को बचने का रास्ता दिया

■ के रवींद्रन

ऐसा लगता है कि बाजार ने दो प्रमुख रूसी तेल कंपनियों, रोसनेफ्टपीजेएससी और लुकोइल पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों का गणित पहले ही कर लिया है, और मास्को से मुंबई तक फैली ऊर्जा आपूर्ति लाइनों पर इसके तत्काल और मध्यम अवधि के परिणामों का आकलन कर लिया है। कुछ ही घंटों में, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जो न केवल प्रतिबंधों के कड़े होने को दर्शाता है, बल्कि इस धारणा को भी दर्शाता है कि 2022 से रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े आयातकों में से एक भारत को अपनी खरीद कम करनी पड़ सकती है या निलंबित भी करनी पड़ सकती है। व्यापारी और विश्लेषक, अक्सर आधिकारिक पुष्टि से पहले, इस बात को लेकर आश्वस्त दिखते हैं कि भारतीय रिफाइनरियों में रियायती रूसी बैरल भरने के दिन, कम से कम अभी के लिए, समाप्त हो रहे हैं।

जब से पश्चिमी प्रतिबंधों ने मास्को को अपने ऊर्जा निर्यात को पूर्व की ओर मोड़ने के लिए प्रेरित किया है, भारत रूस के सबसे भरोसेमंद ग्राहकों में से एक बनकर उभरा है, जिसने लाखों बैरल यूराल क्रूड को रियायती दरों पर खरीदा है। इस पुनर्संरेखण ने भारत को मुद्रास्फीति के दबावों को प्रबंधित करने और घरेलू ईंधन की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने में मदद की है, साथ ही पश्चिमी बाजारों से अलगाव के बीच रूस को एक महत्वपूर्ण जीवनरेखा भी प्रदान की है।

लेकिन नवीनतम प्रतिबंध यूक्रेन में युद्ध के लिए धन जुटाने हेतु रूसी राजस्व को कम करने के वाशिंगटन के अभियान में एक कठिन दौर का संकेत देते हैं। रूस के ऊर्जा परिसर के दो स्तंभों को लक्षित करके, अमेरिका प्रतीकात्मक प्रतिबंधों से आगे बढ़कर मास्को के तेल व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र के केंद्र में पहुंच गया है। इसका प्रभाव भारतीय कॉर्पोरेट गलियारों में पहले से ही दिखाई दे रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन सहित प्रमुख रिफाइनर वैकल्पिक स्रोतों की खोज कर रहे हैं और प्रतिबंध व्यवस्था में उलझने से बचने के लिए रूस से नए कच्चे तेल की खरीद को रोकने की तैयारी कर रहे हैं।

इस कदम से भारतीय रिफाइनर मुश्किल में पड़ गए हैं। पिछले दो वर्षों में, रूसी तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो यूक्रेन युद्ध से पहले 2 प्रतिशत से भी कम था, जो एक नाटकीय वृद्धि है। आर्थिक पहलू आकर्षक थे :भारी छूट, छाया बेड़े के माध्यम से सस्ता माल ढुलाई, और गैर-डॉलर तंत्र के माध्यम से भुगतान ने रूसी बैरल को अप्रतिरोध्य बना दिया। लेकिन अब, अनुपालन संबंधी चिंताएं गंभीर हो गई हैं। पश्चिमी बैंकों, बीमा कंपनियों और शिपिंग फर्मों के साथ जुड़े रिफाइनर ब्लैकलिस्ट होने या वैश्विक वित्तीय प्रणाली तक पहुंच खोने का जोखिम नहीं उठा सकते। भले ही भारतीय रिफाइनर तकनीकी रूप से बिचौलियों के माध्यम से खरीदारी करते हों, प्रतिबंधों के बढ़ते दायरे के कारण यह गारंटी देना मुश्किल हो जाता है कि माल ब्लैकलिस्टेड संस्थाओं से मुक्त है।

इस नाजुक स्थिति को भांपते हुए, वैश्विक तेल बाजार ने लगभग तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की। घोषणा के एक दिन के भीतर ही ब्रेंटक्रूड वायदा 3 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। व्यापारियों का तर्क है कि रूस नए खरीदारों की तलाश करेगा, शायद चीन में या अस्पष्ट माध्यमों से, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखलाओं में अस्थायी व्यवधान एशिया में उपलब्धता को प्रभावित करेगा। भारत, जो अपनी 85 प्रतिशत से ज़्यादा कच्चे तेल की ज़रूरत का आयात करता है, के लिए रूसी आयात में मामूली गिरावट भी घरेलू कीमतों, आयात बिलों और मुद्रास्फीति के दबाव में इज़ाफ़ा कर सकती है।

साथ ही, नई दिल्ली एक बार फिर खुद को कूटनीतिक संकट में पाता है। एक तरफ़ मास्को के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी है, जिसमें रक्षा, ऊर्जा और परमाणु सहयोग शामिल हैं। दूसरी तरफ़ अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ उसकी गहरी होती आर्थिक और तकनीकी भागीदारी है। ताज़ा प्रतिबंध, हालांकि सीधे तौर पर भारत पर लक्षित नहीं हैं, ऐसे विविधीकरण को लगभग अपरिहार्य बना देते हैं। साउथ ब्लॉक के अधिकारियों को अब व्यावहारिकता और सिद्धांत के बीच संतुलन बनाना होगा, ताकि कूटनीतिक टकराव पैदा किए बिना ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

देश की सबसे बड़ी निजी रिफाइनर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक अनोखी दुविधा का सामना कर रही है। व्यापक वैश्विक परिचालन और अमेरिकी व यूरोपीय वित्तीय प्रणालियों से जुड़े होने के कारण, वह अतिरिक्त प्रतिबंधों का जोखिम नहीं उठा सकती। यही तर्क उन सरकारी संस्थाओं पर भी लागू होता है जो कच्चे तेल के कार्गो और टैंकरों के लिए पश्चिमी बीमा कंपनियों पर निर्भर हैं। भले ही रुपये, दिरहम या युआन के माध्यम से भुगतान के रास्ते खुले रहें, प्रतिबंधों का दायरा इतना बढ़ गया है कि रसद नई रुकावट बन सकती है। रूसी तेल ले जाने वाले जहाजों को बंदरगाह तक पहुंच से वंचित किया जा सकता है, बीमा कवरेज में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, या अगर वे रोसनेफ्ट या लुकोइल से जुड़े हैं तो उन्हें सीधे काली सूची में डाला जा सकता है। इससे रूसी कच्चा तेल न केवल राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो सकता है, बल्कि परिचालन की दृष्टि से भी अव्यावहारिक हो सकता है।

मास्को के दृष्टिकोण से, ये प्रतिबंध 2022 के बाद से उसके सबसे सफल आर्थिक धुरी में से एक को उलटने का खतरा पैदा करते हैं। भारत और चीन मिलकर रूसी तेल निर्यात का मुख्य आधार बन गए हैं, जिससे यूरोपीय मांग में आई कमी की भरपाई प्रभावी रूप से हो गई है। विशेष रूप से, भारतीय बाजार में मात्रा और स्थिरता दोनों ही उपलब्ध थीं, जहां भुगतान अक्सर मैत्रीपूर्ण बिचौलियों के माध्यम से होता था। उस मांग का एक हिस्सा भी खोने पर रूस को अपने तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए भारी छूट देने या छोटे बिचौलियों के एक जटिल जाल का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। लंबे समय में,इससे लाभप्रदता कम हो सकती है और रूस का ऊर्जा क्षेत्र मुख्यधारा के वाणिज्य से और अलग-थलग पड़ सकता है।

> मास्को के दृष्टिकोण से, ये प्रतिबंध 2022 के बाद से उसके सबसे सफल आर्थिक धुरी में से एक को उलटने का खतरा पैदा करते हैं। भारत और चीन मिलकर रूसी तेल निर्यात का मुख्य आधार बन गए हैं, जिससे यूरोपीय मांग में आई कमी की भरपाई प्रभावी रूप से हो गई है। विशेष रूप से, भारतीय बाजार में मात्रा और स्थिरता दोनों ही उपलब्ध थीं, जहां भुगतान अक्सर मैत्रीपूर्ण बिचौलियों के माध्यम से होता था।

भारत के लिए, तात्कालिक प्रश्न यह है कि इस अंतर को कैसे पाटा जाए। मध्य पूर्वी आपूर्तिकर्ता, विशेष रूप से सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात, बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का अवसर देख सकते हैं। लेकिन उनके बैरल महंगे हैं, और ओपेक+ के तहत उत्पादन कोटा अभी भी कड़ा प्रबंधन कर रहा है। महंगे कच्चे तेल स्रोतों की ओर वापसी भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा सकती है, रुपये को कमजोर कर सकती है और राजकोषीय प्रबंधन पर दबाव बढ़ा सकती है। ऐसे समय में जब वैश्विक मुद्रास्फीति पूरी तरह से कम नहीं हुई है और ब्याज दरें ऊंची बनी हुई हैं, यह भारत के लिए एक अप्रिय घटनाक्रम है।

धारणा में एक सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव भी है। पिछले दो वर्षों में रूसी कच्चे तेल के लिए भारत की निरंतर मांग ने वैश्विक ऊर्जा मानचित्र को चुपचाप बदल दिया है, जिससे नई दिल्ली को एक खरीदार के रूप में अधिक लाभ मिला है। प्रतिबंधों का झटका अस्थायी रूप से उस लाभ को कम कर सकता है, जिससे भारत मध्य पूर्वी और अफ्रीकी ग्रेड के भीड़भाड़ वाले बाजार में वापस आ सकता है। रिफ़ाइनरों को अपने मिश्रण को पुन: अंशांकित करना होगा, अनुबंधों पर फिर से बातचीत करनी होगी, और संभवत: वैकल्पिक कच्चे तेलों के विभिन्न सल्फर और घनत्व प्रोफाइल के अनुरूप रिफ़ाइनरी संचालन को पुनर्गठित करना होगा। ऐसे तकनीकी समायोजन महंगे और समय लेने वाले होते हैं।

हालांकि, एक तर्क यह भी है कि बाजार ज़रूरत से ज़्यादा प्रतिक्रिया दे रहा हो सकता है। कुछ ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि रूस से सभी तेल प्रवाह बाधित नहीं होंगे। वे बताते हैं कि रोसनेफ्ट और लुकोइल सहायक कंपनियों और व्यापारिक शाखाओं के एक विशाल नेटवर्क के माध्यम से काम करते हैं, जिनमें से कई का नाम सीधे तौर पर प्रतिबंध सूची में नहीं है। अभी भी कुछ कानूनी अस्पष्ट क्षेत्र हो सकते हैं जिनके माध्यम से सीमित मात्रा में तेल भारत पहुंचता है, खासकर यदि भुगतान अमेरिकी डॉलर से बचते हैं और शिपमेंट गैर-पश्चिमी वाहकों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं। इससे पूर्ण रुकावट को रोका जा सकता है, हालांकि कम पैमाने पर और अधिक रसद लागत पर।

ललित सुरजन की कलम से

तेल के दाम और प्रवासी भारतीय

'भारत सरकार को मजदूरी करने विदेश गए इन मजबूर नागरिकों के साथ कोई प्रेम नहीं है। सच पूछिए तो देश के भीतर भी जो मजदूर एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश काम की तलाश में जाते हैं उनकी ओर भी हमारी सरकारें कहां ध्यान देती हैं! यह एक विडंबना है कि समृद्ध देशों में जा बसे समृद्ध भारतवंशियों के प्रति हमारा प्रेम ऐसा उमड़ता है कि बस पूछिए मत। उनके लिए सुविधाओं और सम्मान में कोई कसर बाकी नहीं रह जाती, फिर भले ही वे भारत कभी न लौटना चाहते हों। लेकिन जो भारतीय विदेशों में जाकर खून-पसीना एक करते हैं उनके प्रति हमारी सरकार उस वक्त तक दुर्लक्ष्य करती है जब तक कि कोई बड़ी वारदात न हो जाए, जैसा कि अभी सऊदी अरब में हुआ।'

(देशबन्धु में 11 अगस्त 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/08/blog-post_11.html

आपके पत्र

पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं। पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूंठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूं पर आधारित है। सन् 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल-प्रधान भी बना दिया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन् 2009 में पंजाब में 'उप-जल संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके। परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज़ और सस्ता उपाय—जलाना—चुन लेते हैं।

दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है। पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए—जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर—वे अत्यंत महंगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हज़ार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीज़ल का खर्च आता है। यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है।

तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है। पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब-हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए यहां पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती। मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की 'भावांतर भरपाई योजना' इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है।

दिल्ली जैसे महानगर जहां प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव होता है, उन्हें अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के माध्यम से पंजाब-हरियाणा के किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। इससे प्रदूषण के स्रोत और पीड़ित क्षेत्र के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी।

-प्रियंका सौरभ

पावन प्रसंग

भारतीय संस्कृति का प्रतीक छठ पूजा

नहाय-खाय से शुरू होने वाले इस पर्व पर व्रती उमंग और उल्लास के साथ छठ मैया की पूजा अर्चना करता है। खरना के व्रत और खीर का प्रसाद और गंगा स्नान का पवित्र रिवाज और ही श्रद्धावान बना देता है। शाम का अर्घ्य और चौथे दिन सुबह का अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। छठ का व्रत मुख्य रूप से संतान की सुख-समृद्धि, सफलता और लंबी आयु के लिए रखा जाता है। छठ पर्व सूर्यषष्ठी व्रत है, जिसमें सूर्य देव और षष्ठी देवी दोनों की एक साथ पूजा की जाती है। इस पूजा में छठी मैया और सूर्य देव का संबंध माता और पुत्र या भाई और बहन जैसा है, जिसमें दोनों का महत्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। छठ पूजा की आस्था का मुख्य कारण सूर्य देव और छठी मैया की कृपा प्राप्त करना है, जिससे सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और संतान की प्राप्ति होती है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है, क्योंकि सूर्य पृथ्वी पर जीवन के लिए ऊर्जा का स्रोत है। इसके अलावा, यह पर्व संयम, आत्म-अनुशासन और सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है।

श्रद्धा असीम आनंद का खजाना है। धर्म किसी मंदिर में नहीं है ये तो केवल साधना के स्थल केंद्र है। नदी के तट पर बैठकर मनुष्य अपना आत्मचिंतन कर छठी मैया से अपने परिवार की खुशहाली की कामना करता है धर्म तो मनुष्य के आचरण में है। छठी मैया की गीतों की धुन पर थिरकते लोग और चार दिवसीय आयोजन में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ता है। नहाय-खाय, खरना और डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए महिलाओं सहित लोगों की घाटों पर भीड़ एकत्रित होकर सूर्य की उपासना की जाती है। बाजारों में छठ पर्व को लेकर रौनक रहती है तो घाटों को दुल्हन की तरह सजाया जाता है।

छठ पूजा में छठी मैया,जो देवी पार्वती का ही एक रूप मानी जाती हैं उनकी पूजा की जाती है, जो सूर्य देव की बहन हैं और संतान की रक्षा करती हैं। छठ पूजा के दौरान 36 घंटे का निर्जला उपवास रखने से शरीर डीटॉक्स होता है और मानसिक स्वास्थ्य भी मजबूत होता है। सूर्य को अर्घ्य देने से शरीर के अंगों का संतुलन बना रहता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और विटामिन-डी भी प्राप्त होता है। नेत्र रोग और चर्म रोग से राहत मिलती है। ऐसा माना जाता है कि डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देने से नेत्र ज्योति और चर्म रोग में सुधार होता है। पूरे भारत में छठ पूजा की आस्था मुख्य रूप से सूर्य देव और उनकी बहन छठी मैया के प्रति गहरी श्रद्धा, संतान सुख और परिवार की समृद्धि की इच्छा, और प्रकृति के प्रति सम्मान के कारण है। यह पर्व न केवल धार्मिक है, बल्कि इसमें वैज्ञानिक लाभ, जैसे कि विटामिन डी का उत्पादन और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, भी माने जाते हैं साथ ही, यह पर्व सभी को एक समान एक जगह लाकर सामाजिक समता को बढ़ावा देता है।

आज देश विदेश में करोड़ों लोग इस छठ पूजा महापर्व पर समर्पण भाव और श्रद्धा के साथ छठी मैया को अर्घ्य अर्पण कर परिवार की खुशी के लिए छठपर्व की महा पूजा में शामिल होते हैं। यह त्योहार राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।

- कांतिलाल मांडोत

सार-समाचार

किसान की खेत पर काम करते समय सर्पदंश से मौत

सिलवानी, देशबन्धु। सिलवानी थाना क्षेत्र के सियरमऊ के पास ग्राम मेहका में छियालीस वर्षीय गोटीलाल पिता कंछेदीलाल की खेत पर काम करते समय सर्पदंश से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोटीलाल रोज की तरह अपने खेत पर काम करने गए थे, जहां यह हादसा हुआ। परिजन तत्काल उन्हें सिविल हॉस्पिटल सिलवानी लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। गौरतलब है कि सिलवानी क्षेत्र में इन दिनों सर्पदंश की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं

शिविर में ढाई सौ नेत्र रोगियों ने कराई जांच, 50 को निकला मोतियाबिंद

छतरपुर, देशबन्धु। शहर में हनुमान टौरिया पर रविवार को स्व नारायणदास सोनी और स्व गुलाब रानी सोनी की स्मृति में उनके पुत्र रमेश कुमार सोनी द्वारा एक दिवसीय नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 250 लोगों ने नेत्र परीक्षण कराया, वहीं 50 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद मिला, जिन्हें ऑपरेशन के लिए चित्रकूट भेजा गया है। आयोजन समिति ने बताया शिविर में मुख्य अतिथि भाजपा की प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह थीं। जिन्होंने अन्य लोगों के साथ बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। उन्होंने कहा यह नेत्र परीक्षण शिविर सामाजिक सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया।

युवक पर सड़क किनारे लाठियों से जानलेवा हमला, मामला दर्ज

छतरपुर, देशबन्धु। ग्राम मनकारी के राममिलन पटेल 25 वर्ष ने थाना महाराजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसे रविवार सुबह पावर हाउस ड्यूटी पर जाते समय दो युवकों द्वारा लाठियों से जानलेवा हमला किया गया है। करीं निवासी राममिलन ने बताया कि वह पावर हाउस में प्राइवेट काम करता है। रविवार को लगभग प्रात: 11 बजे पहाडिया के पास उसे करीं निवासी सुमित सिंह बनाफर व छोटू विश्वकर्मा हाथ में डंडा लिये मिल गए। दोनों ने गाड़ी रोकने का इशारा किया। राममिलन ने जब पूछा कि आगे क्यों आ रहे हो तो सुमित व छोटू ने गाली-गलौज शुरू कर दी। गाली देने से इनकार करने पर सुमित ने एक डंडा राममिलन के बाएं हाथ के कंधे पर मारा तथा छोटू ने बाएं पैर की पिंडली पर डंडा मारा। दोनों आरोपियों ने कहकर चले जाने से पहले धमकी दी कि अगर आगे से मेरे गांव में दिखा तो जान से खत्म कर देंगे। पुलिस ने बताया फरियादी की रिपोर्ट के आधार पर अपराध धाराओं 296, 115(2), 351(2), 3(5) बी.एन.एस. के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

मलखंब प्रतियोगिता में महाकौशल ने बालक वर्ग में मारी बाजी

छतरपुर, देशबन्धु। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिंचाई कॉलोनी में विद्या भारती मध्य क्षेत्र द्वारा आयोजित 36वीं क्षेत्रीय मलखंब प्रतियोगिता का समापन हुआ। विद्यालय के मीडिया प्रभारी जयेंद्र सिंह चौहान ने बताया यह प्रतियोगिता 25 एवं 26 अक्टूबर को कराई गई, जिसमें महाकौशल प्रांत, मालवा प्रांत और मध्य भारत प्रांत के बाल, किशोर एवं तरुण वर्ग के भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में बाल वर्ग भैया-बहनों में महाकौशल प्रांत की टीम विजेता रही, जबकि किशोर वर्ग एवं तरुण वर्ग में मालवा प्रांत ने विजेता का स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय की पूर्व छात्रा डॉ. प्रनीति चतुर्वेदी मुख्य अतिथि रहीं। अध्यक्षता संस्था के व्यवस्थापक रघुराज सिंह परिहार ने की। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय समिति सदस्य एवं पर्यवेक्षक नचिकेता नारायण भावे तथा जिला सचिव मणिकांत गुप्ता थे।

ग्राम खोहा में मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए खण्डेलवाल, कहा-

स्वदेशी अपनाएं और आत्मनिर्भर भारत बनाने करें काम

रायसेन, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 127 बे एपिसोड को सुनने के लिए रविवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा के साथ सांची विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोहा बूथ क्रमांक 7 पर पहुंचे। जहां उन्होंने क्षेत्र के जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओं और ग्रामीण जनों के साथ बैठकर मनकी बात को सुना। यहां पहुंचने पर श्री खंडेलवाल का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर खंडेलवाल ने कहा कि मुझे आज बहुत प्रसन्नता हो रही है कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां आए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को हमें आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने मौजूद लोगों से कहा कि आप स्वदेशी वस्तुओं को अपनाए और ज्यादा से ज्यादा उपयोग में लाएं, हमारा भारत एक आत्मनिर्भर भारत बने इसके लिए आगे आकर काम करें। श्री खंडेलवाल ने इस मौके पर स्वदेशी की शपथ दिलाई एवं घर घर स्वदेशी हर घर स्वदेशी के तहत घरों की दीवार पर स्टीकर लगाकर आमजन को स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया।

भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा कि आज हम बड़े सौभाग्यशाली हैं कि हमारे बीच आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष खंडेलवाल जी मन की बात कार्यक्रम में हमारे साथ मौजूद हैं। उन्होंने मौजूद कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीण जनों से स्वदेशी को अपनाने एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा के पूर्व कार्यालय मंत्री राघवेंद्र शर्मा, गंगाराम चौकसे, संतोष शर्मा, ग्राम सरपंच कालूराम मीणा, मंडल अध्यक्ष रितेश अग्रवाल, सनी पटेल, दातार मीणा, सपना लवारिया, मंटू कृपाल सिंह,जीतू शर्मा, मनोज नायक, सीएल गौर, सौरभ तिवारी सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बल्लाखेड़ी भी पहुंचे खंडेलवाल

मन की बात कार्यक्रम से पूर्व मालवा प्रांत के प्रांत प्रचारक राजमोहन बघेल के पिता का विगत दिवस निधन हो गया था। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, पूर्व प्रदेश कार्यालय मंत्री राघवेंद्र शर्मा भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा के साथ बघेल के गृह ग्राम बल्लाखेड़ी निवास पर पहुंचे और उनसे एवं परिजनों से मिले तथा उनके पिता के छायाचित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की ।

पुलिस ने आधी रात गश्त कर गिरफ्तार किए 22 वारंटी

रायसेन, देशबन्धु। जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने एवं जनता में पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा बीती मध्यरात्रि में विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया। कॉम्बिंग गश्त का संचालन पुलिस अधीक्षक, पंकज कुमार पाण्डेय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में किया गया। जिले के सभी अनुभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारियों की टीमें गठित कर विभिन्न क्षेत्रों में सघन गश्त की गई। जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों ने अपने-अपने थाना प्रभारियों एवं पुलिस बल के साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त की। गश्त से पूर्व पुलिस बल को अलग-अलग स्थानों पर एकत्र कर अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई। तत्पश्चात सभी बल को विभिन्न क्षेत्रों में सघन कॉम्बिंग गश्त के लिए रवाना किया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान 22 स्थायी वारंटी गिरफ्तार। 46 गिरफ्तार वारंट तामीली कराए गए। 36 संपत्ति संबंधी एवं अन्य आरोपियों की चेकिंग। 3 गंभीर अपराध के फरार आरोपी गिरफ्तार और 200 से अधिक हिस्ट्रीशीटर एवं गुण्डा-बदमाशों की रात में चेकिंग और उन्हें आपराधिक/असामाजिक गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी गई।

बारिश में जारी नाले का निर्माण कार्य, गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

सांची, देशबन्धु। नगर में विकास कार्यों का दावा तो लंबे समय से किया जा रहा है, किंतु इन कार्यों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारों की निगरानी नगण्य दिखाई देती है। स्थिति यह है कि कई निर्माण कार्य बिना उपयंत्री की मौजूदगी के ही किए जा रहे हैं, जिससे उनकी गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर की जलनिकासी व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से लगभग ढाई करोड़ रुपये की लागत से नाला निर्माण कार्य जारी है, लेकिन बारिश के बीच भी खुदाई और कार्य जारी रहने से राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड दलदल हो गई है। छोटे वाहनों और पैदल यात्रियों को इस मार्ग से गुजरने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बारिश के दौरान सीमेंट कार्य जारी रखना तकनीकी रूप से उचित नहीं है, क्योंकि इससे निर्माण की मजबूती पर असर पड़ता है। इस संबंध में सीएमओ नगर परिषद सांची रामलाल कुशवाह का कहना है कि बारिश से निर्माण कार्य पर कोई विशेष असर नहीं पड़ता। सीमेंट का मिश्रण कम पानी वाला होता है और बारिश का पानी सीमेंट की पूर्ति कर देता है। उपयंत्री कल आकर निर्माण कार्य का निरीक्षण करेंगे।

कलेक्टर ने निरीक्षण कर सिविल सर्जन को दिए निर्देश

जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को अब मिलेगा भोजन

रायसेन, देशबन्धु। जिला अस्पताल का रविवार को कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने निरीक्षण किया। इस दौरान वह सबसे पहले मरीजो को भोजन नहीं मिलने की समस्या को लेकर रसोई केंद्र पहुंचे यहां उन्होंने वेंडर से चर्चा की साथ ही जिला अस्पताल के सिविल सर्जन को आज से ही मरीजों को भोजन उपलब्ध कराने निर्देश दिए।

कलेक्टर ने एनएचएम को ठेकेदार को राशि उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने वार्डों में पहुंचकर मरीजों से भी चर्चा की। कलेक्टर ने मरीजों से पूछा कि डॉक्टर समय पर देखने आते हैं कोई पैसे की मांग तो नहीं करता इस पर मरीजों ने कहा कि डॉक्टर समय पर आते हैं और पैसों की मांग नहीं की जाती। उन्होंने जिला अस्पताल के गार्ड से भी चर्चा की। बता दे रसोई ठेकेदार का करीब 40 लाख से ज्यादा 1 साल का भुगतान अटका हुआ है।

संत नामदेव जयंती धूमधाम से मनेगी, नई कार्यकारिणी का किया गठन

सिलवानी, देशबन्धु। रविवार को अशोक नामदेव के गृह निवास पर नामदेव समाज की बैठक आयोजित की गई। जिसमें आगामी देव उठनी ग्यारस के अवसर पर संत नामदेव जयंती मनाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया।

बैठक में बताया गया कि कार्यक्रम 1 नवम्बर को मां विजयासन मंदिर परिसर में आयोजित किया जाएगा, जो सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में पूजन, हवन, आरती, कथा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से कमलेश नामदेव टिल्लू भैया को नामदेव समाज सिलवानी का अध्यक्ष चुना गया। साथ ही उपाध्यक्ष केशव नामदेव किस्सू भैया, सचिव शंकर नामदेव, कोषाध्यक्ष आशीष नामदेव, व्यवस्थापक राकेश नामदेव, सुनील नामदेव एवं सुरेश नामदेव को बनाया गया। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यकर्ताओं ने सुनीं मन की बात, सौ से अधिक स्वदेशी संकल्प पत्र भरे

सिलवानी, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को सुनने के लिए रविवार को ग्राम पंचायत डूंगरिया कला के बूथ क्रमांक 233 पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से मन की बात को सुना। कार्यक्रम के समापन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने 100 से अधिक स्वदेशी संकल्प पत्र भरे। इस अवसर पर हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी अभियान के तहत आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान का प्रचार भी किया गया। इस दौरान बूथ अध्यक्ष सुरेंद्र पटेल, पूर्व सरपंच डूंगरिया कला, भाजपा मंडल प्रवक्ता देवेन्द्र कुमार रघुवंशी, राम बाबू, हरी सिंह, गोविंद राम सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में मिले ऋण से व्यवसाय बढ़ा आगे

रायसेन, देशबन्धु। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से ऋण प्राप्त कर धीरे धीरे सब्जी का व्यवसाय आगे बढ़ाया और अब अच्छी आमदनी हो रही है। यह सब 12 साल से सब्जी का ठेला लगा रहे पथ विक्रेता राकेश कुशवाह ने अपने परिश्रम से किया है। वार्ड क्रमांक 1 नरापूरा रायसेन निवासी राकेश कुशवाह ने कहा कि मेरा विगत 12 वर्षों से सब्जी का ठेला है। जिससे मे अपना भरण पोषण कर रहा था, किन्तु कोरोना महामारी के समय मे लाकडॉउन की स्थिति के कारण मेरे परिवार एंव मेरा भरण पोषण करने में काफी कठिनाईए आई, इसके पश्चात मुझे नगर पालिका परिषद रायसेन के दीनदयाल अनत्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन कार्यालय द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के विषय मे पता चला। फिर मैने नगर पालिका कार्यालय में शहरी असंगठित कामगार पोर्टल पर अपना पंजीयन करवाया इसके पश्चात मेरी दुकान नगर पालिका द्वारा वेरीफाई की गई, उसके बाद मेरा प्रधानमत्री स्वनिधि योजना का फार्म भरा गया एंव फिर मेरा प्रकरण स्टेट बैंक आफ इंडिया वाली शाखा मे भेजा गया। एक सप्ताह के बाद बैंक द्वारा मुझसे संपर्क कर निरीक्षण किया गया और मुझे राशि रूप्ये 10000 रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। जिसे मेरे द्वारा समय से जमा किया गया एवं इसके पश्चात नगर पालिका द्वारा मेरा 20000 रुपए का फार्म भरा गया और बैंक द्वारा मुझे 20 हजार रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। जिसके बाद अपनी दुकान एवं अपना रोजगार को आगे बढ़ाया और मैने 20000 रुपए का ऋण समय से जमा किया तथा 50000 ऋण के लिए आवेदन किया उसके पश्चात मेरी दुकान एवं जरूरी दस्तावेज की जांच कर मुझे राशि 50000 रुपए का ऋण प्राप्त हुआ है। अब मेरी आर्थिक स्थिति अच्छी हो गई है एवं मैं अपनी आमदानी से अपनी बचत भी कर रहा हूं। अपनी दुकान की राशि को बारकोड द्वारा खाते में पेमेंट भी कराता हूं। जिससे मुझे शासन द्वारा हर माह कैशबैंक भी प्राप्त हो रहा है एंव मेरे खाते मे राशि भी एकत्रित हो रही है।

गौरिहार में अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन

जीवन में कृतज्ञता के अभाव से अहंकार का जन्म होता है : असाटी

छतरपुर, देशबन्धु। *आनंद विभाग द्वारा विकासखंड स्तर पर किए जा रहे अल्पविराम परिचय कार्यक्रम के अंतर्गत गौरिहार जनपद सभाकक्ष में कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में एक दिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कई विभागों के कर्मचारियों ने भाग लिया।*

कार्यशाला में आनंद विषय पर बोलते हुए जिला संपर्क व्यक्ति लखनलाल असाटी ने कहा कि जब हम अहंकार में जीते हैं तो न तो खुद आनंद में होते हैं और न सामने वाले को आनंद में रहने देते हैं, वस्तुत: जीवन में कृतज्ञता के अभाव से अहंकार का जन्म होता है, जब व्यक्ति इस अवधारणा पर चलता है कि उसके करने से ही सब कुछ होता है, उसका कहना ही सबसे सही है, उसके होने में किसी का कोई योगदान नहीं है, इसका मतलब होता है कि वह किसी के प्रति अब कृतज्ञ नहीं है। श्री असाटी ने आनंद की ओर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को ध्यान दिलाया कि आनंद तो स्टेट ऑफ माइंड है अपने अंदर का भाव है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो आनंद अपने अंदर देखने की जरूरत है, वह सुविधाओं से नहीं अपितु संबंधों से अधिक बढ़ेगा, इसलिए परिवार के सभी सदस्यों के साथ ठीक-ठाक व्यवहार की सर्वाधिक जरूरत होती है। जब हमारा परिवार में व्यवहार ठीक होता है तब कार्यालय और समाज में स्वत: ठीक हो जाता है। मास्टर ट्रेनर रामकृपाल यादव ने जीवन के लेखा-जोखा के माध्यम से मदद और कृतज्ञता पर विस्तार से संवाद किया। कार्यशाला में खंड पंचायत अधिकारी उमाशंकर तिवारी, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक आशीष ताम्रकार, ब्लॉक समन्वयक अनिल निगम तथा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

प्रतिभागियों ने किए अपने अनुभव साझा

कार्यशाला में प्रतिभागियों की ओर से महेश द्विवेदी, जयेंद्र सिंह परिहार, रामप्रसाद अहिरवार, लखनलाल राजपूत, श्यामसुंदर खरे,ओमप्रकाश, अंकेश कुमार चौरसिया, बालेंद्र कुमार प्रजापति, पंकज अहिरवार, गजराज पटेल, उदित कुमार खंगार, देवेंद्र कुमार गुप्ता, महेंद्र यादव, गंगाराम दीक्षित, भगवान दास पटेल, शिवेंद्र नारायण दीक्षित, सरोज अहिरवार, सुनीता साहू, रामकली, सुनीता पटेल, हीरामणि, शीला, विदेश कुमारी, प्रेमचंद साहू, अवध कुमार शुक्ला, मनोज कुमार अहिरवार, रश्मि परिहार, उमाशंकर तिवारी, कुंती राय आदि ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया उनके लिए आनंद का क्या मतलब है। प्रतिभागियों ने कहा गौरिहार जैसे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में आनंद विभाग को अपनी गतिविधियों को और अधिक विस्तारित करना चाहिए, तथा इस क्षेत्र में अल्पविराम के अधिक से अधिक शिविर आयोजित किए जाएं।

कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल के संदेश को आत्मसात करें: गोपाल सिंह

आष्टा, देशबन्धु। प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 127वां एपिसोड नगर मंडल के बूथ क्रमांक 195 वार्ड 18 की पार्षद लता तेजपाल मुकाती के निवास पर कार्यकर्ताओं ने विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के नेतृत्व में सुना। इस अवसर पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कहा कि मन की बात आज पूरे देश की बात बन गई है। प्रधानमंत्री हर माह में मन बात में हम सब देशवासियों को नई नई जानकारियां, प्रेरणादायी कार्य, नवाचारों से अवगत करा कर प्रेरणा के साथ हम सभी को प्रेरित करते है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में लोक आस्था के पर्व छठ, देवभाषा संस्कृत के संवर्धन, राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150 वर्ष, लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी' में युवाओं की सहभागिता की अपील, तथा जनजातीय महानायकों के बलिदान जैसे विषयों पर अपने प्रेरक विचार साझा किए,जो हम सब के लिये प्रेरणादायी है। श्री इंजीनियर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' का यह अभियान आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का प्रेरक प्रयास है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाना केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय स्वाभिमान

का प्रतीक है।

उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को आत्मसात करें और भारत को सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में रासिंह पटेल, नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा, रायसिंह मेवाड़ा, सुशील संचेती, विशाल चौरसिया, ऋतु आनन्द जैन सहित सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं का समाजसेवी शेषनारायण मुकाती, पार्षद लता मुकाती, तेजपाल मुकाती न साफा पहनाकर, केसरिया दुपट्टे डाल कर स्वागत किया। कार्यक्रम के पश्चात विधायक ने मुकाती निवास पर स्वदेशी-जीएसटी से बचत उत्सव के स्टिकर लगा कर उपस्थित कार्यकर्ताओं को आत्मनिर्भर भारत संकल्प हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी का मंत्र देते हुए स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का संकल्प दिलाया। नगर पालिका अध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाडा, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल चौरसिया ने कन्नौद रोड पर व्यापारियों के प्रतिष्ठान पर स्टिकर लगा कर नगर में अभियान का शुभारम्भ किया । इस अवसर पर वरिष्ठ नेता मनोहर भोजवानी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रितु आनंद जैन, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल चौरसिया, नगर मंडल महामंत्री धनरूपमल जैन, पार्षद रवि शर्मा, मनीष धारवा, पवन वर्मा, अनिल धनगर, ओमप्रकाश मुकाती, उमेश मुकाती, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्तिथ थे ।

विधायक शर्मा के साथ कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

सिरोंज, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण रविवार को विधायक उमाकांत शर्मा की उपस्थिति में किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा चितावर मंडल के अंतर्गत ग्राम झूकर होज स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 123 पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्र के महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण से हुई। इसके पश्चात उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर चितावर मंडल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि हमीर सिंह यादव, पूर्व जनपद अध्यक्ष जितेन्द्र बघेल, कमल सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। विधायक उमाकांत शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी देश के नागरिकों से सीधे संवाद करते हैं और उन्हें प्रेरणा प्रदान करते हैं। शर्मा ने भाजपा सरकारों की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में जब पहली बार भाजपा सरकार बनी थी, तब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी क्रांतिकारी योजनाएं शुरू हुईं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी मुख्यमंत्री सड़क योजना प्रारंभ की, जिससे ग्रामीण अंचलों का कायाकल्प हुआ।

उन्होंने कहा कि आज गांव आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं, महिलाएं स्वयं सहायता समूहों और लाड़ली बहना योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं। हाल ही में जीएसटी दरों में कमी का निर्णय भी जनता के हित में लिया गया है। विधायक शर्मा ने कहा कि पहले हर घर में गाय-बैल हुआ करते थे, अब उनकी संख्या घट रही है, जिससे सड़कों पर गोवंश दिखाई देने लगा है। उन्होंने अपील की कि हम सभी को फिर से गायों को पालने की परंपरा को जीवित करना चाहिए। युवाओं से उन्होंने नशामुक्त रहने की अपील की।

केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री सहित कई दिग्गज होंगे शामिल

खेल महोत्सव 30 से, कपिल देव करेंगे शुभारंभ

क्रिकेट, कबड्डी, हॉकी, खो-खो, फुटबॉल, रस्साकसी और दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी: शिवराज

विदिशा, देशबन्धु। जिले में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव का बड़ा आयोजन होने जा रहा है। इसी सिलसिले में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को विदिशा पहुंचे, जहां उन्होंने आगामी सांसद खेल महोत्सव की तैयारियों को लेकर प्रेसवार्ता की। श्री चौहान ने बताया कि संसदीय क्षेत्र में यह महोत्सव 30 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 25 दिसंबर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि खेल महोत्सव में क्रिकेट, कबड्डी, हॉकी, खो-खो, फुटबॉल, रस्साकसी और दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख भाई मांडविया, मुख्यमंत्री मोहन यादव और 1983 विश्व कप विजेता क्रिकेटर कपिल देव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को मंच देने और युवाओं में खेल के प्रति उत्साह बढ़ाने का प्रयास है। खेलों के मुददे को लेकर सवाल किया गया कि जिले में कई जगहों पर खेल स्टेडियम का निर्माण किया गया है लेकिन उनका इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है कई स्टेडियमों ताले लगे हुए कई जगह पर दुकानदारी चल रही है। इस पर श्री चौहान ने कहा कि खेलों को ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ावा देने के लिए ही यह आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने शहर के विकास कार्यों की समीक्षा की और नशे के बढ़ते कारोबार पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सार समाचार

जिले में कार्बाइड गन की बिक्री, खरीदी और उपयोग पर लगाया प्रतिबंध

सीहोर, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बालागुरु के. ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अंतर्गत जिले की सीमा के भीतर कार्बाइड गन के विक्रय, उपयोग तथा भंडारण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जारी आदेशानुसार पटाखों एवं विस्फोटक पदार्थों के साथ कार्बाइड गन का उपयोग जन-धन की हानि और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न कर सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जिले में कार्बाइड गन का विक्रय, खरीद, उपयोग एवं भंडारण पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेशानुसार सीहोर जिले अंतर्गत प्रतिबंधात्मक पटाखा, आतिशबाजी, लोहा स्टील अथवा पीवीसी पाइपों में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्याधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखे (कार्बाइड गन) तैयार कर विक्रय किए जा रहे है। जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा, शांति एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

एलबीएस कॉलेज में एमएसडब्ल्यू, बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम की कक्षाओं का संचालन शुरू

सिरोंज, देशबन्धु। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के प्रोजेक्ट बेस प्रायोगिक शिक्षा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठयक्रम एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू पाठयक्रम की कक्षाओं का शुभारंभ आज एलबीएस कॉलेज में हुआ। शासन के आर्थिक सांख्यिकी विभाग अंतर्गत संचालित इस पाठयक्रम की कक्षाओं की शुरुआत छात्रों के सामूहिक प्रेरणा गीत एवं ध्येय मंत्र गायन से की गयी। सत्रारंभ मौके पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगी द्वारा प्रवेशित छात्रों को पाठयक्रम एवं कक्षा संचालन संबंधी जानकारी प्रदान की गयी। उन्होंने बताया कि इस पाठयक्रम प्रमुख उद्देश्य व्यवहारिक रूप से छात्रों में व्यक्तित्व विकास के साथ उनमें नेतृत्व कौशल विकसित करना है। जिससे वे शहरी और ग्रामीण अंचल में समुदाय के साथ मिलकर समाज कार्य बेहतर ढंग से कर सकें। उन्होंने कोर्स को लेकर छात्रों को रोजगार संबंधी जानकारी भी प्रदान की। परामर्शदाता इंदर रघुवंशी द्वारा छात्रों को सीएमसीएलडीपी विद्यार्थी ऐप, असाइनमेंट, इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट बर्क सामाजिक प्रयोग शाला आदि पाठयक्रम संबंधी विभिन्न कार्यों की जानकारी प्रदान की गयी। वही परामर्शदाता दिनेश शाक्य ने छात्रों को कक्षा में नियमित उपस्थित रहने प्रेरित हेतु किया। इस दौरान परामर्शदाता कृष्ण चंद्र पटेल, गंगा अहिरवार सहित प्रवेशित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अतिथि शिक्षकों ने मांगों को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

सिरोंज, देशबन्धु। रविवार को अतिथि शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर अतिथि शिक्षक संघ ने विधायक उमाकांत शर्मा को रेस्ट हाउस में पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मागें रखी गयी जिसमें अतिथि शिक्षकों को भी शासकीय शिक्षकों की तरह ऐच्छिक अवकाश एवं आकस्मिक अवकाश स्वीकृत किए जाएं अन्यथा ई अटेंडेंस बंद की जाएं। अतिथि शिक्षकों को हर माह की 5 तारीख तक वेतन भुगतान करना सुनिश्चित किया जाए। नेटवर्क की समस्या के कारण ई अटेंडेंस समय पर नहीं लगा पाते हैं या अटेंडेंस लगती ही नहीं है अत: उस दिन की उपस्थिति जिओ टैग की मान्य की जावे।

अतिथि शिक्षकों का वेतन भुगतान अतिथि शिक्षक उपस्थिति रजिस्टर के माध्यम से ही किया जावे जो शाला प्रभारी द्वारा प्रमाणित होता है। 2 सितंबर 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अतिथि शिक्षकों की महापंचायत भोपाल में आयोजित की गई थी जिसमें अतिथि शिक्षकों को विभागीय परीक्षा के माध्यम से नियमित करने का वादा किया गया था उक्त वादे को पूर्ण किया जावे। इस पर विधायक उमाकांत शर्मा ने बड़ी गंभीरता से अतिथि शिक्षकों को सुना और उनकी समस्याओं को समझते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव के समक्ष मांगों को रखने की बात की और कहा कि आपके हित में जो भी उचित होगा उसके लिए पूरा प्रयास करूंगा। इस दौरान जिला अध्यक्ष राकेश कुशवाह ब्लॉक अध्यक्ष गोविन्द सिंह चौहान छगन राजपूत रामबाबू कुशवाह, प्रियंका मुठेले सचिन धाकड़ नसीर अहमद बबलू खान राजपाल अहिरवार विशाल विश्वकर्मा विपिन विश्वकर्मा लक्ष्मी नारायण जाटव नवल सिंह अहिरवार सुनील प्रजापति अभिषेक शर्मा रामू विश्वकर्मा धर्मेंद्र कुशवाह आदि शामिल रहे।

पिच्छिका परिवर्तन समारोह में शामिल हुए हजारों श्रद्धालु

गंजबासौदा, देशबन्धु। नगर में विराजमान मुनि संघ के चातुर्मास के उपरांत भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन स्थानीय तारण तरण दिगंबर जैन पाठशाला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मंगलाचरण की मंगलमय प्रस्तुति श्री वीर सागर पाठशाला में अध्यनरत बच्चियों द्वारा प्रस्तुत की गई। मंगलाचरण के उपरांत दीप प्रज्वलन भगवान का चित्र अनावरण मुनि संघ के गृहस्थ जीवन के परिवार जन द्वारा किया गया। वहीं आचार्य श्री विद्यासागर महाराज एवं नवाचार्य समय सागर महाराज की संगीत मय पूजन में अर्घ समर्पित करने का सौभाग्य बाल ब्रम्हचारी भैया एवं बहनों के साथ नगर के सभी जिनालय की समितियों एवं जैन समाज द्वारा संचालित दोनों गौशाला के पदाधिकारियों को प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत पिच्छिका परिवर्तन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

पुलिस ने आरोपी का निकाला जुलूस, अधिवक्ता ने केंद्रीय मंत्री से की सुरक्षा की मांग

विदिशा, देशबन्धु। भाजपा के बुजुर्ग नेता व आयकर के सलाहाकार एडवोकेट विमल प्रकाश तारण के साथ मारपीट का एक वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। रात को ही इस मामले में पुलिस ने विमल तारण का मेडिकल कराया और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। वीडियो में मारपीट करने वाले आरोपी की पहचान लुहांगी मोहल्ला में रहने वाले संजय नामदेव उर्फ गांधी रूप में हुई। कोतवाली पुलिस ने आरोपी संजय को रात में ही गिरफ्तार कर लिया था। इसी बीच रविवार को सांसद खेल महोत्सव के बारे में जानकारी साझा करने आए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह प्रेस वार्ता कर अन्य कार्यक्रम में जाने की तैयारी कर थे इसी दौरान विमल प्रकाश तारण अपनी पत्नी के साथ पहुंचे और केन्द्रीय मंत्री चौहान से अपनी सुरक्षा की मांग की। तारण ने कहा कि मामले की पूरी निष्पक्ष जांच होना चाहिए नहीं तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। पुलिस प्रशासन को सूचित करने के बावजूद अब तक पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई है।

आरोपी पर कई मामले दर्ज

लुहांगी मोहल्ले में रहने वाला संजय नामदेव उर्फ गांधी पर कई मामले दर्ज हैं, जिस पर हत्या के प्रयास, शराब तस्करी, मारपीट करने समेत करीब 8 मामले दर्ज हैं. पुलिस ने आरोपी संजय नामदेव उर्फ गांधी को गिरफ्तार कर जुलूस निकाला। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और दोषियों पर सक्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर मारपीट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया साथ ही उस पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की है। इसके अलावा उसके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई भी प्रस्तावित की जा रही है।

कई सवालों का जबाव मिलना बाकी

अधिवक्ता विमल तारण पर हुए हमले की घटना में कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। वीडियो में दिख रहा है, विमल तारण अपनी गाड़ी पर बैठे थे तभी एक व्यक्ति वहां आया और गाली-गलौज करते हुए बोला पुताई के पैसे क्यों नहीं दिए? इतना कहते ही उसने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस दौरान दो व्यक्ति पहले से मौजूद थे, जो पूरी घटना का वीडियो बना रहे थे। प्रश्न यह उठता है कि वीडियो बनाने वाले ये व्यक्ति कौन थे? जब आरोपी से पूछा गया कि उसने हमला क्यों किया, तो वह कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सका. घटना के बाद जब पुलिस ने आरोपी को गिर तार कर जुलूस निकाला, तब भी कई बातें सामने नहीं आ सकीं। जुलूस के दौरान आरोपी कभी एक पैर से, तो कभी दूसरे पैर से लंगड़ाता नजर आया, जिससे यह सवाल और गहराता है कि क्या यह सब एक बड़ी साजिश का हिस्सा है?

अनोखा नज़ारा, हजारों की तादाद में लग रहा पक्षियों का जमावड़ा

भेरूंदा, देशबन्धु। स्थानीय गायत्री विहार कॉलोनी में बीते चार-पांच दिनों से एक अनोखा नज़ारा देखने को मिल रहा है। सुबह और शाम के समय अचानक हजारों की संख्या में पक्षी कॉलोनी के पेड़ों और छतों पर उतर आती हैं। यह दृश्य न सिर्फ कॉलोनी के निवासियों के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है, बल्कि कई लोग इस मनमोहक नज़ारे को कैमरे में कैद करने पहुंच रहे हैं।

स्थानीय निवासी बताते हैं कि पहले कभी इतनी बड़ी संख्या में पक्षी एक साथ यहां नहीं देखे गए। कुछ लोगों का कहना है कि मौसम में बदलाव और आसपास के खेतों में कटाई के कारण ये पक्षी यहां आ रहे हैं। वहीं पक्षी प्रेमियों का मानना है कि यह किसी प्रवासी प्रजाति के अस्थायी ठहराव का संकेत भी हो सकता है।

गायत्री विहार की सड़कों पर सुबह-सुबह चहचहाहट की ऐसी गूंज होती है कि लोग अपने घरों से निकलकर इस प्राकृतिक नज़ारे का आनंद लेने लगे हैं। बच्चे भी पक्षियों को दाना डालते दिखाई दे रहे हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना स्थानीय जैव विविधता के लिए शुभ संकेत है, जो बताती है कि क्षेत्र में हरियाली और पारिस्थितिक संतुलन अब भी बरकरार है।

माधवमहाकाल आरोग्य आश्रम में 2 नवंबर को अन्नकूट महोत्सव

सीहोर, देशबन्धु। इस साल भी श्री माधवमहाकाल आरोग्य आश्रम परिवार के तत्वाधान में 2 नवंबर को अन्नकूट महोत्सव का आयोजन राष्ट्रीय कथा व्यास पंडित मोहित राम पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर आज आश्रम परिवार के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी का यहां पर मौजूद परिवार के सदस्यों ने स्वागत किया।

कथा व्यास पंडित श्री पाठक ने कहा कि सेवा और दान के काम में हमेशा आगे रहना इसलिए ज़रूरी है, क्योंकि यह व्यक्ति और समाज दोनों के लिए कल्याणकारी होता है।

यह न केवल ज़रूरतमंदों की मदद करता है, बल्कि देने वाले को भी मानसिक संतुष्टि और खुशी देता है। हमारे श्री तिवारी ऐसे सेवक है जो हमेशा दान और सहयोग के कार्य में रहते है। उनके द्वारा करीब 150 परिवार को गत दिनों दीपावली के अवसर पर राशन सामग्री के अलावा अन्य वस्त्र और आतिशबाजी का वितरण किया गया था।

मातृ शक्ति संगोष्ठी का हुआ आयोजन

भारतीय महिलाएं हर जगह प्रतिनिधित्व कर रही है: डॉ. राजश्री

सिरोंज, देशबन्धु। रविवार को विद्या भारती की अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नईदिल्ली द्वारा विद्या भारती मध्यभारत प्रांत ने रविवार को लिंकरोड स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल प्रांगण में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम के तहत मातृ शक्ति संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को पंच परिवर्तन के तहत कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता, स्व का बोध व नागरिक कर्तव्य के तहत उनके व्यक्तित्व के विकास पर जोर देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती, ओम भारत माता के चित्र और मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वजन कर किया गया। संगोष्ठी को शिक्षिका प्रियंबदा शर्मा, निजी स्कूल संचालक श्वेता त्यागी, विद्या भारती की अखिल भारतीय सह मंत्री डॉ. राजश्री वैध, और मध्यप्रदेश बाल संरक्षण आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. निवेदिता शर्मा संबोधित किया। वक्ताओं ने बताया कि हर महिला में

कीर्ति, श्री, स्मृति, मेधा, धृति, धैर्य, और क्षमा जैसे सात गुण (सप्तशक्ति) प्राकृतिक रूप से मौजूद होते हैं। महिलाओं को इन गुणों को पहचान कर विकसित करना चाहिए, ताकि वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार दे सकें। शिक्षिका प्रियंबदा शर्मा ने एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मैं, मेरा पति और मेरे बच्चे वाली सोच ने संस्कारों और सुरक्षा में कमी ला दी है, जो समाज के पतन का एक बड़ा कारण है। उन्होंने संयुक्त परिवार की ओर लौटने का आह्वान किया, क्योंकि यहीं बच्चों को सही संस्कार और सुरक्षित माहौल मिलता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नई पीढ़ी में धैर्य की कमी के कारण वे जल्दी गलत कदम उठा लेते हैं, जिसका समाधान संयुक्त परिवार ही है। डॉ. राजश्री वैध ने कहा कि पाश्चात्य सभ्यता में विवाह एक एग्रीमेंट जैसा है, जहां लोग कर्तव्यों से अधिक अपने अधिकारों की बात करते हैं। इसके विपरीत, भारतीय संस्कृति में विवाह को सात जन्मों का बंधन और एक पवित्र संस्कार माना जाता है। साथ ही कहाकि भारतीय महिलाऐं हर जगह प्रतिनिधित्व कर रही है ,खासकर विद्या भारती की महिलाऐं हर जगह पहुँच गयी है। उन्होंने बताया कि सप्तशक्ति संगम ऐसी कार्यशाला है जो महिलाओं को अपनी संस्कृति और अपनी भावी पीढ़ी को उच्च संस्कारों के साथ तैयार करने के लिए प्रेरित करती है।

विद्या भारती संस्था ने घोषणा की कि इस तरह की सैकड़ों कार्यशालाएं पूरे देश में आयोजित की जाएंगी, जिसके माध्यम से 75 लाख महिलाओं तक अपनी बात पहुंचाई जाएगी और उनकी समस्याओं को सुना जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया से समाज में आने वाले बदलावों की निगरानी की जाएगी और छह माह बाद इसका मूल्यांकन किया जाएगा। यह एक सतत प्रयास है जिसका लक्ष्य महिलाओं को जागरूक करके समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। कार्यक्रम के शुभारंभ के पूर्व सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम की संयोजिका सरला भार्गव सहित कार्यक्रम की सदस्यों द्वारा मंचासीन अतिथियों का शॉल श्रीफल से स्वागत भी किया गया। इसदौरान बड़ी संख्या में महिलाऐं शामिल रही।

स्व. कपिल तिवारी की स्मृति में लीजेंड क्रिकेट लीग का शुभारंभ

एमआई ने आर्यन को और बासौदा-11 ने लीजेंड मीडिया को हराया

गंजबासौदा, देशबन्धु। नगर के शासकीय संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय के खेल मैदान में रविवार को नगर के खेल प्रेमी एवं पूर्व बीआरसी स्व. कपिल तिवारी की पुण्य स्मृति में लीजेंड क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का आयोजन प्रारंभ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नपाध्यक्ष शशि अनिल यादव मौजूद रहीं। टूर्नामेन्ट का शुभारंभ अतिथियों द्वारा स्व. कपिल तिवारी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान विधायक रघुवंशी ने कहा कि यह प्रतियोगिता निश्चित रूप से युवाओं को भी अभिप्रेरित करेगी। आज का युवा मैदानी खेलों से दूर होता जा रहा है। उन्होंने इस टूर्नामेन्ट के सभी आयोजनकर्ताओं को बधाई दी। इस मौके पर नपाध्यक्ष शशि अनिल यादव ने कहा कि उम्र बढने के साथ हम खेलों को बंद कर देते हैं। यह प्रतियोगिता 40 वर्ष की आयु वाले खिलाडियों के लिए है, निश्चित रूप से यह एक पहल है। जो नगर में फिर से खेलों को बढ़ावा देने में सहायक होगी। आयोजन समिति ने बताया कि इस टूर्नामेन्ट में सिर्फ 12 टीम

शामिल की गई हैं। जिसमें प्रथम पुरूस्कार 21 हजार रूपये एवं ट्रॉफी, द्वितीय पुरूस्कार 11 हजार रूपये एवं ट्रॉफी दी जायेगी। प्रत्येक मैन में मेन ऑफ द मैच और मैन ऑफ दा सीरीज का पुरूस्कार सहित अन्य आकर्षक इनाम भी खिलाडियों को दिये जायेंगे। टूर्नामेन्ट के शुभारंभ में शहर के सभी सीनियर खिलाड़ी उपस्थित रहे। टूर्नामेंट का पहला मैच आर्यन और एमआई के बीच खेला गया। जिसमें आर्यन टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। एमआई की टीम ने 10 ओवर में 95 रन बनाये, जिसमें प्रकाश दीक्षित न शानदार बल्लेबाजी करते हुये टीम का स्कोर बनाने में अपनी भूमिका दी। एमआई की ओर से गोपाल यादव द्वारा शानदार गेंदबाजी की गई और एमआई की टीम ने यह मैच 17 रनों से जीता। मैच उपरांत प्रकाश दीक्षित को मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया। दूसरा मैच लीजेंड मीडिया और बासौदा-11 के बीच खेला गया। जिसमें लीजेंड मीडिया की टीम 7 रन से यह मुकाबला हार गई। बासौदा-11 ने पहले बल्लेवाजी करते हुये 10 ओवर में 116 रन बनाये। बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी मीडिया लीजेंड की टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए 27 रनों की दरकार थी, लेकिन यह मैच वह 7 रनों से हार गई। इस मैच में मैन ऑफ दा मैच का पुरूस्कार अर्द्धशतक लगाने वाले बल्लेवाज नारायणसिंह को दिया गया।

खेल जगत

मुझे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाज़ी करने में बहुत मज़ा आया : हर्षित राणा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को तीसरे वनडे में चार विकेट लेकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने कहा कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया। जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' पर एक्सक्लूसिव बातचीत करते हुए, हर्षित राणा ने इस सीरीज में गेंदबाजी के अपने अनुभव पर कहा, 'मुझे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया क्योंकि मैं एक साल पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान यहां था, इसलिए मैं पहले से ही परिस्थितियों से वाकिफ था। मुझे पता था कि कहां गेंदबाजी करनी है और कौन सी लेंथ मेरे लिए सही रहेगी। गौती भाई (मुख्य कोच गौतम गंभीर) और मोर्न मोर्कल (गेंदबाजी कोच) का शुक्रिया, जिन्होंने मुझे लगातार सही दिशा में गेंदबाजी करने के लिए प्रेरित किया।

वर्ल्ड कप 2027 में भारत की बड़ी संपत्ति होंगे रोहित-कोहली : पूर्व चयनकर्ता

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने विराट कोहली और रोहित शर्मा पर भरोसा जताया है। उन्हें यकीन है कि यह अनुभवी जोड़ी 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के लिए बहुत बड़ी संपत्ति साबित होगी। रोहित शर्मा ने सिडनी में नाबाद 121 रन की पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने लगातार दो बार 'शून्य' पर आउट होने के बाद नाबाद 74 रन बनाए। दोनों खिलाड़ियों के बीच 168 रन की अटूट साझेदारी हुई, जिसने भारत को तीसरे वनडे में 9 विकेट से जीत दिलाई। हालांकि, टीम इंडिया सीरीज नहीं बचा सकी। प्रसाद ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। मैं पिछले दो मुकाबलों में उनके इस प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ, लेकिन मैं रोमांचित हूं कि आखिरकार तीसरे मुकाबले में ऐसा हुआ। यह बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे-जैसे आप वर्ल्ड कप की ओर बढ़ रहे हैं, आपको उनकी सेवाओं की जरूरत है। विराट और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी टीम के लिए बहुत बड़ी संपत्ति होंगे।'

रोहित शर्मा ने सिडनी में नाबाद 121 रन की पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने लगातार दो बार 'शून्य' पर आउट होने के बाद नाबाद 74 रन बनाए

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि लोग उन्हें उनकी मौजूदा फॉर्म के आधार पर देखते हैं। रोहित अब पूरी तरह से फिट हो गए हैं। विराट हमेशा की तरह फिट हैं। इसलिए इन खिलाड़ियों को परखना बहुत मुश्किल है। उनके नाम 83 या 84 शतक हैं। अगर आप उन्हें परखना चाहें, तो यह मेरे लिए आश्चर्यजनक है।'

रोहित और कोहली इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को भी अलविदा कह दिया था। स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। एमएसके प्रसाद ने सही समय पर अगली पीढ़ी को कमान सौंपने के लिए तीनों की प्रशंसा करते हुए कहा, 'रोहित, विराट और जडेजा ने जो एक बेहतरीन कदम उठाया, वह यह है कि टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद उन्होंने अगली पीढ़ी को कमान सौंप दी। यह एक शानदार बात है। आखिरकार, ये युवा खिलाड़ी खुद को स्थापित करने लगे हैं। हमारी टीम बहुत अच्छी है।'श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों को टी20 टीम में जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने कहा, 'दरअसल, हमारे पास कई खिलाड़ी इंतजार में हैं। श्रेयस को टी20 टीम में जगह नहीं मिली, जो हमारी प्रतिभाओं के बारे में बहुत कुछ बताता है।

वनडे में 100 कैच लेने वाले सातवें भारतीय बने रोहित शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के लिए शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला गया मैच बेहद यादगार रहा। रोहित ने अपने बल्ले के साथ-साथ फील्डिंग में भी बड़ी उपलब्धि हासिल की। रोहित शर्मा ने शनिवार को दो कैच पकड़े। रोहित ने मिचेल ओवेन और नाथन एलिस के कैच पकड़े। नाथन एलिस का कैच रोहित के वनडे करियर का 100वां कैच था। वनडे क्रिकेट में 100 कैच पकड़ने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए। रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली (305 मैच में 164 कैच), मोहम्मद अजहरुद्दीन (334 मैच में 156 कैच), सचिन तेंदुलकर (456 मैच में 140 कैच), राहुल द्रविड़ (344 मैच में 124 कैच), सुरेश रैना (226 मैच में 102 कैच), और सौरव गांगुली (311 मैच में 100 कैच) ये उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा ने सिडनी मैच में 125 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 121 रन की पारी खेली। रोहित का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में यह 50वां शतक (तीनों फॉर्मेट मिलाकर) था।

न्यूजीलैंड के सफर का निराशाजनक अंत आखिरी मैच में इंग्लैंड ने 8 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला विश्व कप 2025 का 27वां मैच न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इंग्लैंड ने अपनी जीत की लय बरकरार रखते हुए मैच 8 विकेट से जीता। इंग्लैंड को जीत के लिए 169 रन का लक्ष्य मिला था। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। इंग्लैंड की घातक गेंदबाजी के सामने न्यूजीलैंड 38.2 ओवर में सिर्फ 168 रन पर सिमट गई। जॉर्जिया प्लिमर ने 57 गेंद पर 43, अमेलिया केर ने 43 गेंद पर 35 और कप्तान सोफी डिवाइन ने 23 रन की पारी खेली। ये तीनों ही बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सकीं। इन तीनों के अलावा टीम की अन्य बल्लेबाज इंग्लैंड की घातक गेंदबाजी के सामने क्रीज पर रुकने का साहस नहीं दिखा सकीं। इंग्लैंड के लिए लिंसे स्मिथ ने 9.2 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट लिए।

महिला विश्व कप

नेट सेवियर ब्रंट और एलिस कैप्सी ने 2-2, चार्ली डिन और सोफी डंकले ने 1-1 विकेट लिए। 169 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी इंग्लैंड को सलामी बल्लेबाजों एमी जोंस और टैमी ब्यूमाउंट ने मजबूत शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। ब्यूमाउंट 38 गेंद पर 7 चौकों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हुईं। एमी जोंस ने दूसरे विकेट के लिए हिदर नाइट के साथ 83 रन की साझेदारी की। हिदर नाइट 40 गेंद पर 33 रन बनाकर आउट हुईं। जोंस 92 गेंद पर 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 86 और डैनी व्याट 2 रन पर नाबाद रहीं। इंग्लैंड ने 29.2 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया।

विश्व कप में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड का ये आखिरी लीग मैच था। इस मैच का सेमीफाइनल के दृष्टिकोण से महत्व नहीं था। न्यूजीलैंड सेमीफाइनल की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी थी। न्यूजीलैंड 7 मैचों में 1 जीत हासिल कर सकी, जबकि 4 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। 2 मैच बारिश की वजह से रद्द हुए। कीवी टीम के पास महज 4 अंक हैं। इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहले ही जगह बना चुकी है। 7 मैचों में 5 जीत और 1 रद्द मैच से 1 अंक लेकर 11 अंक के साथ इंग्लैंड अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है।

भारत ने टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी, उमा छेत्री करेंगी डेब्यू

नवी मुंबई। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप 2025 के 28वें मुकाबले में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया है। भारतीय टीम 3 बदलावों के साथ इस मैच में उतरी है। उमा छेत्री को वनडे में डेब्यू का मौका मिला है। बारिश के चलते टॉस में देरी हुई। आसमान में बादल छाए होने के कारण भारत ने गेंदबाजी का फैसला लिया। इस मुकाबले से विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष को आराम दिया गया है। उनके स्थान पर उमा छेत्री प्लेइंग इलेवन में मौजूद हैं। दूसरी ओर, क्रांति गौड़ और स्नेह राणा इस मुकाबले में नहीं खेल रही हैं। उनके स्थान पर राधा यादव और अमनजोत कौर को मौका दिया गया है। भारतीय टीम सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर चुकी है। वहीं, बांग्लादेश की टीम खिताबी दौड़ से बाहर है, लेकिन बांग्लादेश इस मुकाबले को जीतकर प्वाइंट्स टेबल में अपनी स्थिति बेहतर करना चाहेगा। वहीं, भारत इस मैच में अपनी तैयारियां परखने उतरा है। भारत ने महिला विश्व कप 2025 में अब तक 6 में से 3 मुकाबले अपने नाम किए हैं। श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 53 रन से मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। दूसरी ओर, पाकिस्तान के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद बांग्लादेश को इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा। डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में जारी इस मुकाबले में बारिश बीच-बीच में रुकावट पैदा करेगी। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी रहेगी, लेकिन पिच में हल्की घास के चलते यहां बाउंस देखने को मिल सकता है। भारतीय की प्लेइंग इलेवन: प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिगेज, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), दीप्ति शर्मा, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी और रेणुका सिंह ठाकुर।

'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त': इरफ़ान पठान

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को तीसरे वनडे में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शतकधारी रोहित शर्मा और अर्धशतक बनाने वाले विराट कोहली की तारीफ करते हुए पूर्व भारतीय आलराउंडर इरफ़ान पठान ने कहा कि अपनी पारी से दोनों बल्लेबाजों ने दिखा दिया कि 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त'। जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' पर एक्सक्लूसिव बातचीत करते हुए विशेषज्ञ इरफ़ान पठान ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की प्रतिभा के बारे में बात की, 'आज जिस तरह से चीजें सामने आईं, ऐसा लगा जैसे ये होना ही था। इन दोनों महान खिलाड़ियों (विराट और रोहित) को एक साथ मैच खत्म करते देखने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। विराट को ऑस्ट्रेलिया में 50 का औसत बनाए रखने के लिए इस मैच में लगभग 70-74 रनों की जरूरत थी, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अगर यह न्याय नहीं है, तो और क्या है?

इरफ़ान ने कहा, 'रोहित ने बहुत मेहनत की, उन्होंने अपना वजन कम किया, पूरी मेहनत की, और उनकी बेहतर फिटनेस तब दिखी जब वे दूसरे मैच में रन-आउट से जल्दी उबर गए। दोनों ने दिखा दिया कि 'पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त'।

बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में भारत का जलवा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में रविवार को शानदार प्रदर्शन किया। शाइना मणिमुथु (अंडर-15) और दीक्षा सुधाकर (अंडर-17) ने अपने-अपने आयु वर्ग में गोल्ड मेडल जीते। भारतीय दल दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदकों के साथ स्वदेश लौटेगा। अंडर-15 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से शिकस्त दी। दीक्षा सुधाकर ने अंडर-17 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में हमवतन लक्ष्य राजेश को 21-16, 21-9 से हराया। इसके अलावा, दीक्षा जूनियर एशियन चैंपियनशिप में अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय एकल खिलाड़ी भी बनीं। रविवार को, शाइना अंडर-15 वर्ग का खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय बालिका एकल खिलाड़ी बनीं। उन्होंने शुरुआती गेम में तोमिता पर दबदबा बनाया। इसके बाद दूसरे गेम में आखिरी क्षणों में मिली चुनौती को नाकाम करते हुए मुकाबले को 44 मिनट में अपने नाम कर लिया। इसके बाद, दीक्षा 27 मिनट तक चले फाइनल में दबदबा बनाते हुए अंडर-17 वर्ग का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बालिका एकल खिलाड़ी बनीं। बालकों के एकल वर्ग में जगशेर सिंह खंगुरा और जंगजीत सिंह काजला तथा जननिका रमेश की मिश्रित युगल जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक जीते थे। मिश्रित युगल सेमीफाइनल में जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश की जोड़ी को चीनी ताइपे के आई एन चांग और यो हान वांग से 17-21, 21-18, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच, जगशेर सिंह खंगुरा को लड़कों के एकल सेमीफाइनल में चीन के होंग तियान यू से 21-11, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने पिछली बार साल 2013 में दो स्वर्ण पदक जीते थे, जब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 बालक एकल वर्ग का खिताब जीता था, जबकि चिराग शेट्टी और एमआर अर्जुन ने अंडर-17 बालक युगल वर्ग का खिताब जीता था।

भारत के पदक विजेता

>>> दीक्षा सुधाकर: अंडर-17 बालिका एकल में स्वर्ण पदक।
>>> शायना मणिमुथु: अंडर-15 बालिका एकल में स्वर्ण पदक।
>>> लक्ष्य राजेश: अंडर-17 बालिका एकल में रजत पदक।
>>> जगशेर सिंह खंगुरा: अंडर-17 बालक एकल में कांस्य पदक।
जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश: अंडर-17 मिश्रित युगल में कांस्य पदक।

सार संक्षेप

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 'एशियाई युवा खेलों' के स्वर्ण पदक विजेताओं को 25-25 लाख का चेक सौंपा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने एशियन यूथ गेम्स में कबड्डी में देश को स्वर्ण पदक दिलाने वाले तमिलनाडु के खिलाड़ियों को सम्मानस्वरूप 25-25 लाख रुपए का चेक सौंपा। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'मैंने अपने चेन्नई स्थित आवास पर हमारे कबड्डी चैंपियन, कन्नगी नगर की कार्तिका और तिरुवरुर के अभिनेश मोहनदास का स्वागत और सम्मान किया, जिन्होंने बहरीन में हुए एशियाई युवा खेलों में स्वर्ण पदक जीते। मैंने उनमें से प्रत्येक को 25-25 लाख रुपए की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की।' एम के स्टालिन ने लिखा, 'कन्नगी नगर के अपने दौरे के दौरान, मैंने निवासियों द्वारा की गई मांगों को पूरा किया। मैंने कार्तिका से पूछा कि क्या उनके क्षेत्र की समस्याओं का समाधान हो गया है, और उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि कन्नगी नगर ने पिछले 4 वर्षों में काफी प्रगति की है।

देशभर में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 45वें संस्करण का आयोजन

नई दिल्ली। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 45वें संस्करण का रविवार को देशभर में आयोजन किया गया। युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली में इस पहल का नेतृत्व किया। जिम सीरीज के सहयोग से देश के 6 हजार से भी ज्यादा स्थानों पर 50 हजार से ज्यादा लोगों ने इस मुहिम में हिस्सा लिया। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल का 45वें संस्करण फिटस्पायर, गोल्ड जिम, फिटनेस फर्स्ट और कल्ट फिट जैसी जिम सीरीज के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। बॉक्सर मीनाक्षी हुड्डा ने कहा, 'मैं बॉक्सिंग के जरिए खुद को फिट रखती हूं।

पंजाब एफसी ने एआईएफएफ सुपर कप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की

मोहाली। पंजाब एफसी ने एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम का पहला ग्रुप 'सी' मैच गोकुलम केरल एफसी के खिलाफ कल गोवा के जीएमसी बाम्बोलिम एथलेटिक स्टेडियम में खेला जाएगा। हेड कोच पानागिओटिस डिल्मपेरिस ने एक संतुलित टीम चुनी है जिसमें पांच नए खिलाड़ी शामिल किए गए हैं, जबकि बाकी खिलाड़ी डूरंड कप की टीम का हिस्सा रहे थे। अनुभव और युवा जोश के इस मिश्रण के साथ टीम इस प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत करने की उम्मीद कर रही है। मैच शाम 4:30 बजे शुरू होगा। नई साइनिंग में विदेशी खिलाड़ी समीर जेल्जकोविच, डेनियल रामिरेज फर्नांडीज और पाब्लो रेनन दोस सैंटोस शामिल हैं।

मोहरों के माहिर खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर दिब्येंदु बरुआ, शतरंज की बिसात पर बिखेरा जलवा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के मशहूर शतरंज खिलाड़ी दिब्येंदु बरुआ ने साल 1991 में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल किया था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने। बॉबी फिशर से प्रेरित बरुआ ने कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में देश का नाम रोशन करते हुए भारतीय शतरंज को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। 27 अक्टूबर 1966 को कोलकाता में जन्मे बरुआ बचपन से ही शतरंज के दीवाने थे। यही उनका पहला प्रेम था। दिब्येंदु बरुआ महज 12 साल की उम्र में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। साल 1982 में दिब्येंदु बरुआ ने पूर्व विश्व चैंपियन मिखाइल ताल को शिकस्त देकर वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। उस समय दिब्येंदु महज 16 वर्ष के थे।

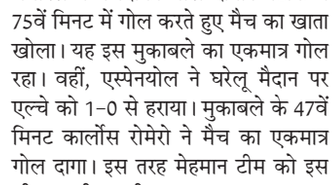

■ दिब्येंदु बरुआ विश्वनाथन आनंद के बाद भारत के दूसरे ग्रैंडमास्टर बने

साल 1983 में 'अर्जुन अवॉर्ड' से सम्मानित दिब्येंदु बरुआ साल 1991 में प्रतिष्ठित ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने। उनसे पहले ये उपलब्धि विश्वनाथन आनंद हासिल कर चुके थे। ये वो दौर था, जब भारत में शतरंज का बुनियादी ढांचा और समर्थन न्यूनतम था। इस खेल को विश्वनाथन आनंद के बाद दिब्येंदु बरुआ की जीत ने युवाओं को गंभीरता से अपनाने के लिए प्रेरित किया।

दिब्येंदु बरुआ की शैली बेहद आक्रामक और रचनात्मक थी। वह दबाव में भी संयमित रहते। उन्होंने कई शतरंज ओलंपियाड और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए वैश्विक शतरंज समुदाय में देश का नाम रोशन किया। दिब्येंदु बरुआ ने भारत में शतरंज को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने जैसे होनहार युवा खिलाड़ियों को निखारने के लिए साल 2005 में कोलकाता में दिब्येंदु बरुआ शतरंज अकादमी की स्थापना की।

हैरी ब्रूक की मेहनत पर फिरा पानी, न्यूजीलैंड ने 4 विकेट से जीता मुकाबला

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ बे ओवल में खेले गए पहले वनडे मैच को 4 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने 3 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। इस टीम ने 56 के स्कोर तक अपने छह विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान हैरी ब्रूक ने 101 गेंदों में 11 छक्कों और 9 चौकों के साथ 135 रन की पारी खेलते हुए टीम को संभाला। इस बीच उन्होंने जेमी ओवरटन के साथ सातवें विकेट के लिए 86 गेंदों में 87 रन जोड़े। जेमी 54 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 46 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। विपक्षी खेमे से जकारी फाउलकेस ने 41 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि जैकब डफी ने 3 विकेट अपने नाम किए। इनके अलावा, मैट हैनरी ने 2 और मिचेल सैंटनर ने 1 विकेट हासिल किया। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भी शुरुआत में लड़खड़ाती नजर आई। इस टीम ने दूसरे ओवर की अंतिम दो गेंदों पर विल यंग (5) और केन विलियमसन (0) का विकेट गंवा दिया। टीम को सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र से उम्मीदें थीं, लेकिन रचिन 17 गेंदों में इतने ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए। यहां से डेरिल मिचेल ने टॉम लैथम के साथ चौथे विकेट के लिए 42 रन जुटाकर टीम को संभालने की कोशिश की।

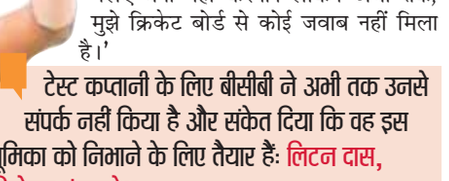

वनडे सीरीज

ला लीगा: विलारियल ने तीसरा स्थान पक्का किया, रोमांचक मुकाबले में गिरोना की जीत

मैड्रिड, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। विलारियल ने स्पेन में वेलेंसिया के खिलाफ ईस्ट कोस्ट डर्बी 2-0 से जीत दर्ज की। इसी के साथ विलारियल ने ला लीगा में तीसरे स्थान पर स्थिति मजबूत करते हुए अपने करीबी पड़ोसी को संकट में डाल दिया है। जेरार्ड मोरेनो ने हाफटाइम के पहले 45वें मिनट में पेनाल्टी स्पॉट से विलारियल को बढ़त दिलाई। मुकाबले के 57वें मिनट में सांती कोमेसान्या ने आसान फिनिश के साथ विलारियल की बढ़त दोगुनी कर दी, जिससे टीम ने लगभग जीत सुनिश्चित कर ली। वहीं, प्रतिद्वंद्वी टीम के फॉरवर्ड अरनाउट डैंजुमा को चोट लगी, जिससे अगले सप्ताह रियल मैड्रिड के खिलाफ होने वाले मैच से पहले उन्हें झटका लगा। एक अन्य मैच में गेटाफे ने एथलेटिक क्लब बिलबाओ को सैन मैम्स स्टेडियम में 1-0 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में बोर्जा मेयोरल ने नजदीकी गोल दागा। गेटाफे ने 75वें मिनट में गोल करते हुए मैच का खाता खोला। यह इस मुकाबले का एकमात्र गोल रहा। वहीं, एस्पेनयोल ने घरेलू मैदान पर एल्चे को 1-0 से हराया। मुकाबले के 47वें मिनट कार्लोस रोमेरो ने मैच का एकमात्र गोल दागा। इस तरह मेहमान टीम को इस सीजन की दूसरी हार का सामना करना पड़ा। मेहमान टीम ने मैच के आखिरी क्षणों में कई मौके बनाए।

लिटन दास अब बंगलादेश के अगले टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे

ढाका, 26 अक्टूबर (एजेंसियां) बंगलादेश के टी20 कप्तान लिटन कुमार दास ने कहा कि अगर उन्हें टेस्ट कप्तानी की पेशकश की जाती है, तो वह इसे संभालने के लिए तैयार हैं। जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद नजमुल हुसैन शान्तो के पद छोड़ने के बाद यह पद खाली होने पर बंगलादेश वर्तमान में एक नए टेस्ट कप्तान की तलाश में है। क्रिकबज ने पहले बताया था कि लिटन, नजमुल की जगह लेने की दौड़ में सबसे आगे हैं, क्योंकि शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद जब बीसीबी ने उनसे दोबारा पूछा तो उन्होंने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया था।

लिटन ने ज़ोर देकर कहा कि टेस्ट कप्तानी के लिए बीसीबी ने अभी तक उनसे संपर्क नहीं किया है और संकेत दिया कि वह इस भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। बीसीबी के पास अपने टेस्ट कप्तान की घोषणा करने के लिए बहुत कम समय है क्योंकि उन्हें 11 नवंबर से सिलहट में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए आयरलैंड की मेजबानी करनी है। लिटन ने कहा, 'यह बहुत मुश्किल है। अभी तक, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। अगर उन्हें लगता है कि मैं सक्षम हूँ, तो ज़ाहिर है वे मुझसे बात करेंगे। देखते हैं उनका क्या फैसला होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर, टेस्ट टीम की कप्तानी करना एक बड़ी उपलब्धि है। मुझे यकीन है कि कोई भी खिलाड़ी इसके लिए मना नहीं करेगा। लेकिन अभी तक, मुझे क्रिकेट बोर्ड से कोई जवाब नहीं मिला है।'

टेस्ट कप्तानी के लिए बीसीबी ने अभी तक उनसे संपर्क नहीं किया है और संकेत दिया कि वह इस भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं: लिटन दास, क्रिकेटर बंगलादेश

राज्यपाल मन की बात कार्यक्रम के आयोजन में हुए शामिल, कहा-

पुस्तकीय ज्ञान के साथ समसामयिक जानकारी जरूरी

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही देश में हो रही प्रगति और विकास के बारे में समसामयिक जानकारी होना भी जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम ऐसी अद्भुत पहल है, जिसमें देश में हो रहे नवाचारों और प्रगति की जानकारी मिलती है। उन्होंने विश्वविद्यालयों के छात्रावासों में मन की बात कार्यक्रम के सामूहिक श्रवण की व्यवस्था करने के लिए भी कहा है।

राज्यपाल श्री पटेल रविवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में मन की बात के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम के छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। सामूहिक श्रवण कार्यक्रम का आयोजन ज्ञान विज्ञान भवन में किया गया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय आगमन पर ज्ञान विज्ञान भवन परिसर में पौधरोपण किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय की छात्राओं जैनस्वी शर्मा, खुशी सेन ने हम उठे जग उठे, लक्ष्य गीत का गायन किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात और परीक्षा पे चर्चा जैसे कार्यक्रम राष्ट्र जागरण की अभूतपूर्व पहल है। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के द्वारा गरीब, वंचित और पिछड़े व्यक्तियों और क्षेत्रों के द्वारा देश-समाज के निर्माण में दिये जा रहे योगदान की जानकारी दी जाती है। इन प्रेरक प्रसंगों से आत्मबल से विकास और परिवर्तन के लिए समाज को आत्मविश्वास, प्रेरणा और उत्साह प्राप्त होती है। इसी तरह परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के द्वारा प्रधानमंत्री ने विद्यार्थी परीक्षा की कैसे तैयारी करें, पालक बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करें, इन सभी विषयों पर विस्तार से समझाइश देकर छात्र-छात्राओं पर अनावश्यक रूप से परीक्षा के समय बनने वाले भारी दबाव कम करने में बहुत मदद की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकसित भारत@2047 की नई पहल की है। आज़ादी की 100वीं वर्षगांठ पर राष्ट्र का स्वरूप कैसा होगा इस दिशा में विवेकानंद जयंती के अवसर पर नई पहल की है। देश भर के विद्यार्थियों से राष्ट्र के भावी स्वरूप के संबंध में उनके विचार प्राप्त किये। चयनित 3 हजार युवाओं के साथ नई दिल्ली में गोष्ठी भी की है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ज्ञान के साथ संस्कार से ही जीवन अच्छा जीवन होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कार देना केवल शिक्षण संस्थाओं का दायित्व नहीं हो सकता। परिवार को भी बच्चों में संस्कार देने की जिम्मेदारी समझना होगी। बच्चे माता-पिता के आचरण से संस्कार ग्रहण करते हैं। परिवार का वातावरण संस्कारित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्ञान से प्राप्त प्रगति अधूरी है। यदि उसमें अपने माता-पिता, राष्ट्र, समाज के प्रति सम्मान और सेवा का भाव नहीं है। उन्होंने कहा माता-पिता अपने बच्चों की अंगुली पकड़ कर चलना सिखाते हैं। वृद्धावस्था में उनके साथ दुर्व्यवहार करके कोई भी व्यक्ति, समाज और राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में कुलगुरू एस.के. जैन ने स्वागत उद्बोधन दिया। आभार प्रदर्शन कुल सचिव डॉ. अनिल शर्मा ने किया। संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण पवन मिश्रा ने किया।

मुख्यमंत्री जबलपुर में रोटरी अवार्ड समारोह में हुए शामिल, बोले-

रोटरी क्लब के कार्य सबके लिए प्रेरणादायक

जबलपुर/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि परमात्मा ने हमें शरीर अच्छे कर्मों के लिए दिया है, यदि हमारे कर्म सत्कर्म में बदल जाएं तो समाज का कल्याण हो जाएगा। रोटरी क्लब इसी दिशा में पूरे मनोयोग से कम कर रहा है और समाज को एक नई दिशा दे रहा है, जो हम सबके लिए प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को संस्कारधानी जबलपुर में रोटरी इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा रोटरी इंटरनेशनल अवार्ड प्राप्त करने वाले रोटेरियन अरुण कांत अग्रवाल एवं संदीप जैन को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को रोटरी क्लब की मानद सदस्यता प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां नर्मदा का उद्गम अमरकंटक से होता है और वह समुद्र में समाहित हो जाती है। मां नर्मदा ने जबलपुर को अद्भुत आशीर्वाद दिया है, इससे जबलपुर का नाम संस्कारधानी पड़ा है। मां नर्मदा के आशीर्वाद से ही जबलपुर का काला पत्थर संगमरमर में बदला जा रहा है यह केवल जबलपुर में ही संभव है। मां नर्मदा के आशीर्वाद से संस्कारधानी जबलपुर को रोटरी क्लब के लिए कार्य करने वाले महान सपूत मिले हैं, जिन्होंने अपने सामाजिक दायित्व और सेवा भाव से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्कारधानी जबलपुर का नाम रोशन किया है। रोटरी इंटरनेशनल अवार्ड पाने वाले अरुण कांत अग्रवाल और संदीप जैन ने जो सेवा भाव दिखाया है वह अनुकरणीय और प्रेरणादायक है। विकास के मामलों में प्रदेश सरकार जन कल्याण की भावना से सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रही है। यह काम रोटरी जैसी संस्था पिछले 120 सालों से कर ली रही है और इसने अपने कर्मों से साबित किया है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोटरी क्लब जबलपुर को जिला एक्सीलेंस अवार्ड मिलने के लिए बधाई दी और कहा कि सेवा के क्षेत्र में रोटरी क्लब इसी तरह आगे बढ़ता रहेगा।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि रोटरी क्लब निस्वार्थ भाव से सेवा के अनेक प्रकल्पों को जमीन पर उतार रहा है। संस्कारधानी जबलपुर के लिए यह गर्व की बात है कि यहां के दो रोटेरियन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। संस्कारधानी जबलपुर के रोटेरियन अरुण कांत अग्रवाल को स्वयं से परे सेवा पुरस्कार के लिए चुना गया है पूरे विश्व में इस पुरस्कार के लिए 118 रोटेरियन का चयन किया गया है। इसी प्रकार गैर रोटेरियन क्षेत्र में श्री संदीप जैन को मानवता की सेवा में उत्कृष्टता के लिए विश्व पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार पूरे विश्व में केवल 39 लोगों को दिया गया है। संस्कारधानी जबलपुर की दो समाजसेवियों को यह पुरस्कार मिलना गर्व एवं सम्मान की बात है।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, श्रीमती सुमित्रा वाल्मिक, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. जितेंद्र जामदार, विधायक अखिलेश पांडे, संतोष वरकड़े, अखिलेश जैन और रोटरी परिवार की सभी सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने नया भारत-हरा भारत यात्रा को झंडी दिखाई

रायसेन की अंजना अरुणाचल से गुजरात तक करेंगी साइकिल यात्रा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित पैडल टू प्लांट कार्यक्रम नया भारत-हरा भारत की यात्रा पर निकल रही अंतर्राष्ट्रीय पर्वतारोही सुश्री अंजना यादव को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से रविवार को झंडी दिखाकर रवाना किया।

एकीकृत, सशक्त और प्रगतशील भारत के संदेश का होगा प्रचार

पेडल टू प्लांट कार्यक्रम, नया भारत हरा भारत के अंतर्गत सुश्री अंजना यादव और उनकी टीम के द्वारा अरुणाचल प्रदेश से गुजरात 4 हजार किलोमीटर साइकिल से सफर तय किया जाएगा। इसके अंतर्गत वे भारत की संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश देंगी। सुश्री अंजना यादव सरदार वल्लभभाई पटेल के एकीकृत, सशक्त और प्रगतशील भारत के दृष्टिकोण को भी प्रचारित करेंगी। सुश्री अंजना यादव रायसेन जिले के ग्राम सेमारी की रहने वाली हैं, जो 5 वर्षों से माउंटेनियर के रूप में सक्रिय हैं। सुश्री अंजना यादव अब तक 20 अंतर्राष्ट्रीय पर्वतों पर चढ़ाई कर चुकी हैं। अब उनका अगला लक्ष्य विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट ऐवरेस्ट पर वर्ष-2026 में सफलता प्राप्त करना है।

मुख्यमंत्री ने भोपाल, प्रदेश अध्यक्ष ने सांची में सुनी मोदी के मन की बात

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को भोपाल की दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के करूणाधाम मंडल के वार्ड-27 के बूथ क्रमांक 48, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रायसेन जिले की सांची विधानसभा के सलामतपुर मंडल के ग्राम खोह में बूथ क्रमांक-7 एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने बिहार की दरभंगा विधानसभा के प्रधान कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व आमजन के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने लोगों के घरों में स्टीकर चिपकाकर स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलाई और कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दृष्टिकोण और कार्यों से देश में सकारात्मक ऊर्जा की धारा को प्रवाह किया है। प्रधानमंत्री जी ने ''मन की बात'' कार्यक्रम में देश के सभी क्षेत्रों को जोड़कर प्रेरक प्रसंगों से हम सभी को प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं। आप सभी 01 से 03 नवंबर तक भोपाल में आयोजित होने वाले मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में सहभागी बनें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम में हर नागरिक के 'मन की बात' होती है। मध्यप्रदेश में सितंबर माह में 82 प्रतिशत बूथों में ''मन की बात'' कार्यक्रम को सुना गया था। भाजपा मध्यप्रदेश में 'मन की बात' कार्यक्रम को 100 प्रतिशत बूथों पर सुनने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति, मंडल अध्यक्ष मुकेश दिहाड़े, बूथ अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, शिवचरण रघुवंशी सहित पार्टी पदाधिकारी व आमजन उपस्थित रहे। रायसेन जिले के ग्राम खोह में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष रितेश अग्रवाल, सरपंच संघ के अध्यक्ष कालूराम मीणा, बूथ अध्यक्ष बालकिशन विश्वकर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री यादव ने लगाया आरोप

सरकारी नीतियों से किसान और कृषि मंडियां संकट में

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस नेता अरुण यादव ने आरोप लगाया कि सरकारी नीतियों से किसान और कृषि उपज मंडियां संकट में हैं। प्रदेश में किसानों को उपज के वाजिब दाम नहीं दिए जा रहे। उन्होंने आज यहां मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ठेकेदारों और व्यापारियों के हित में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सोयाबीन का समर्थन मूल्य 5300 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया, लेकिन मंडियों में किसानों को केवल 3500 रुपये में फसल बेचनी पड़ रही है। मक्का सहित अन्य उपजों के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं। श्री यादव ने कहा कि किसानों को भुगतान के लिए मंडी बोर्ड को 15 सौ रुपए का अतिरिक्त ऋण दिलाया जा रहा। जबकि वह पहले से ही 17 सौ करोड़ के घाटे में है। श्री यादव ने आरोप लगाया कि मंडी बोर्ड को जानबूझकर कर्ज में डुबोकर समाप्त करने की पटकथा लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि मंडी बोर्ड एक स्वायित्व संस्था है। यदि सरकार किसानों को भुगतान करना चाहती है, तो खुद ऋण ले और भुगतान करे।

पुरानी रंजिश के चलते युवक की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या

भिंड, देशबन्धु। जिले के दबोह क्षेत्र में पुरानी रंजिश के कारण रायपुरा गांव में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान एक युवक की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने कार और बाइक में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार स्थिति नियंत्रण में है। इस घटना में मृतक का मामा भी गंभीर रूप से घायल हुआ और उसे इलाज के लिए ग्वालियर भेजा गया।

गुस्साए लोगों ने कार और बाइक फूंकी

घटना के बाद लोग गुस्से में आ गए और आरोपियों के घरों पर हमला कर कार और बाइक में आग लगा दी। गांव में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के अनुसार रूद्रप्रताप सिंह और कौरव परिवार के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश के चलते हुए झगड़े में आरोपियों ने हमला किया। घटना के बाद पुलिस ने रणवीर कौरव, अंशु कौरव, प्रहलाद कौरव, राजीव कौरव और कुंअर सिंह कौरव के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही आगजनी की घटना को लेकर अलग से मामला दर्ज किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक ने बताया कि गांव में स्थिति फिलहाल सामान्य है और सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें सक्रिय हैं। टीआई राजेश शर्मा ने कहा कि पुरानी रंजिश के चलते पांच लोगों ने मिलकर रूद्रप्रताप की हत्या की और मामले की पूरी जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने अनूपपुर पहुंचकर विधायक के पुत्र के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अनूपपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री बिसाहू लाल सिंह के गृह ग्राम परासी पहुंचकर उनके पुत्र स्व. अमृतलाल सिंह के असामायिक निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित कर शोक-संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोक संतप्त परिवार को दुख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

मऊगंज जिले में खांसी की दवा से बच्चे की मौत का मामला

मेडिकल स्टोर सील, संचालक पर एफआईआर दर्ज

भोपाल, देशबन्धु। मऊगंज जिले के ग्राम खटखरी (थाना शाहपुर) में खांसी की दवा के सेवन से 5 माह के बच्चे की मृत्यु की घटना पर शासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की है। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि विनोद मेडिकल स्टोर के संचालक जितेन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा बिना किसी डॉक्टर के पर्चे और सलाह के एलोपैथिक दवाएं दी गई थीं, इसके बाद बच्चे की मृत्यु हुई। औषधि निरीक्षक मऊगंज द्वारा 8 औषधियों के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं, जिन्हें औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। वहीं 5 औषधियों के स्टॉक को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत फॉर्म-15 में फ्रीज़ किया गया है।

नियंत्रक श्री श्रीवास्तव ने बताया कि प्रारंभिक जांच अनुसार, बालक को पिछले एक माह से श्वसन संबंधी परेशानी थी। प्रारंभ में बच्चे का उपचार एक पंजीकृत बाल रोग विशेषज्ञ से कराया गया था, जिसके बाद सुधार न होने पर अभिभावकों ने स्थानीय आयुर्वेदिक चिकित्सक को दिखाया। आयुर्वेदिक चिकित्सक द्वारा एलोपैथिक औषधियों का उपयोग किया गया, जो उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर था। इन दवाओं से भी सुधार न होने पर बालक के अभिभावकों ने खटखरी स्थित विनोद मेडिकल स्टोर से बिना डॉक्टर के पर्चे की दवाएं लीं, इसके बाद से बच्चे की तबीयत बिगड़ी और उसकी मृत्यु हो गई।

औषधि विक्रय संस्थान विनोद मेडिकल स्टोर, खटखरी को औषधि निरीक्षक द्वारा सील किया गया है और संचालक जितेन्द्र कुमार गुप्ता के विरुद्ध एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। जांच में पाया गया कि बिना डॉक्टर की सलाह के दवा विक्रय कर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 65(2) का उल्लंघन किया गया है। नियंत्रक ने कहा कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही संबंधित अधिनियम के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नियंत्रक श्री श्रीवास्तव ने बताया कि 10 अक्टूबर 2025 को ही सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिए गए थे कि औषधि विक्रय संस्थानों पर रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट की उपस्थिति अनिवार्य है और बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के दवा विक्रय न किया जाए। 11 अक्टूबर को मध्यप्रदेश केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के साथ बैठक में भी इन निर्देशों की पुनः पुष्टि की गई थी।

उज्जैन में होगा कालिदास समारोह, नवाचारों से सजेगा सांस्कृतिक महोत्सव

भोपाल, देशबन्धु। छह दशकों से अधिक समय से अपनी अखंड परंपरा को जीवंत रखने वाला अखिल भारतीय कालिदास समारोह अब 67वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। 1958 से उज्जैन में आयोजित यह प्रतिष्ठित सांस्कृतिक अनुष्ठान 30 अक्टूबर से 7 नवंबर तक कालिदास संस्कृत अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा। इस वर्ष पूर्वरंग, नवाचारों, लोकप्रिय आकर्षणों और युवा सहभागिता के साथ यह समारोह नई ऊंचाइयों को छुएगा, जो आयोजकों, कलाकारों, कला प्रेमियों और उज्जैनवासियों की सामूहिक सफलता का प्रतीक है। अकादमी निदेशक डॉ. गोविंद ने बताया कि 30 अक्टूबर को मां गढ़कालिका पर वागर्चन में शहर के 1100 छात्र-छात्राओं द्वारा श्यामलादंडकम् और देवी स्तुति की सामूहिक प्रस्तुति होगी। नृत्याराधना नृत्य मंदिर संस्थान द्वारा देवी स्तुति में नृत्य आराधना भी होगी। 31 अक्टूबर को पारंपरिक कलश यात्रा रामघाट से शुरू होकर अकादमी परिसर तक पहुंचेगी। इसमें छत्तीसगढ़ का पंथी नृत्य, नासिक के ढोल-ताशे, पुलिस बैंड, लोककलाकारों के नृत्य और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। टावर चौक पर कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी, जबकि शहर संगठन यात्रा का स्वागत करेंगे।

जूडो, कुश्ती और कुराश के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित

खिलाड़ी भारतीय खेलों को बढ़ावा दें : काश्यप

भोपाल, देशबन्धु। एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने रविवार को विद्या भारती द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अ.भा. जूडो, कुश्ती और कुराश प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए। प्रतियोगिता सरस्वती विद्या मंदिर शारदा विहार भोपाल में हुई। श्री काश्यप क्रीड़ा भारती के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष भी है। मंत्री श्री काश्यप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों की सराहना की और आह्वान किया कि वे भारत के परंपरागत खेलों को बढ़ावा दें। उन्होंने खेलों का महत्व बताते हुए कहा कि खेलों से स्वस्थ शरीर बनता है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। खेलों से व्यक्तित्व का विकास होता है, इसलिए खेलना आवश्यक है। इसमें 22 राज्यों के 1100 खिलाड़ियों ने अपने प्रतिभा कौशल का प्रदर्शन किया। स्पर्धा के विजेता खिलाड़ी आगे एस.जी.एफ.आई. में विद्या भारती का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर ग्राम भारती के प्रांतीय सचिव वीरेंद्र सेंगर, विद्या भारती के पर्यवेक्षक सतपाल सिंह, शारदा विहार समिति के सदस्य राजेंद्र आर्य, प्रबंधक राजेश तिवारी तथा विद्या भारती मध्य क्षेत्र के खेल सह संयोजक मनीष वाजपेई उपस्थित रहे।

17 सौ से अधिक अफसरों-जवानों को गंवा चुकी कश्मीर पुलिस

शहादत देने में सबसे आगे जम्मू कश्मीर पुलिस

• सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, देशबन्धु। देश में जब शहादत देने की बात आती है तो जम्मू कश्मीर पुलिस को भूला नहीं जा सकता। आधिकारिक तौर पर इसे माना गया है कि 1989 से लेकर अभी तक प्रदेश में 1700 से अधिक पुलिसकर्मी मारे भी जा चुके हैं। गैर सरकारी तौर पर मरने वाले पुलिसकर्मियों की संख्या 2000 से ज्यादा है।

- शहीद होने वालों में सबसे अधिक कांस्टेबल
- 1989 से लेकर अब तक के हैं ये आंकड़े

आधिकारिक आंकड़ों के बकौल, कश्मीर में आतंकी हिंसा में मृत पुलिसकर्मियों में सबसे अधिक कांस्टेबल हैं जिनकी संख्या 583 है तो उसके बाद दूसरा स्थान एसपीओ अर्थात विशेष पुलिस अधिकारियों का आता है। आंकड़ों के मुताबिक, 616 एसपीओ इस अवधि में जान गंवा चुके हैं। कश्मीर में 36 सालों से फैले आतंकवाद के दौर में जम्मू कश्मीर पुलिस एक डीआईजी, एक एसपी, 22 डीएसपी, 28 इंस्पेक्टर, 39 सब इंस्पेक्टर और 69 एएसआई रैंक के अधिकारियों को भी खो चुकी है। यही नहीं 150 हेड कांस्टेबल, 189 सीनियर ग्रेड कांस्टेबल तथा 26 फालोअर्स भी आतंकी हिंसा में शहादत पा चुके हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस की शहादत की शोर्यगाथाएं भी अपना एक मुकाम रखती हैं। तभी तो इन शहादतों के लिए वे कई बार कई पदकों से नवाजी जा चुकी है। इन शहादतों के लिए उसे अभी तक एक अशोक चक्र, दो कीर्ति चक्र, 18 शौर्य चक्र, 1672 प्रेसिडेंट पुलिस गैलेंटरी अवार्ड तथा 1822 जम्मू कश्मीर पुलिस मेडल फार गैलेंटरी भी प्राप्त हुए हैं। कश्मीर में फैले आतंकवाद की तस्वीर का एक पहलू यह है कि जम्मू कश्मीर पुलिस कभी सिर्फ लाशें गिनने वाली फोर्स बन रह गई थी पर अब वह सबसे आगे रहकर आतंकवाद का खात्मा करने की ओर अग्रसर है। आतंकी हमलों, चेतावनियों और धमकियों के बावजूद कश्मीर में मारे जाने वाले हजारों आतंकियों में से आधे की मौत में जम्मू कश्मीर पुलिस की प्रमुख भूमिका रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर.... की धुरी माना गया है। हमारे लिए बहन, बेटियां देवी समान हैं। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म महिला सशक्तिकरण का प्रभावी प्लेटफार्म बन चुका है। यह महिलाओं को आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और नेतृत्व क्षमता की दिशा में सशक्त बनाने में सहायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा स्वागत स्वरूप कथक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर भोपाल वुमेन हब की गतिविधियों और एमपी एक्सीलेंस अवार्ड समारोह के उद्देश्यों पर लघु फिल्म की प्रस्तुति दी गई। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ.यादव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में जारी महिला सशक्तिकरण, औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार, प्रदेश में संचालित विकास गतिविधियों और जनकल्याण कार्यक्रमों पर भी लघु फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति उपस्थित थे।

तमिलनाडु पर चक्रवाती तूफान.... तेज हवाओं के खतरे के कारण तुरंत तट पर लौटने की सलाह दी गई है। सोमवार को रानीपेट, तिरुवल्लुर और चेन्नई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, वेल्लोर और पुडुचेरी में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मंगलवार तक बारिश का क्षेत्र उत्तर की तरफ बढ़ेगा और रानीपेट और तिरुवल्लुर जिलों में विशेष रूप से जोरदार बारिश होने की प्रबल संभावना है। जिलों की प्रशासनिक टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और आपदा प्रबंधन टीमों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले 48 घंटों में भारी बारिश, बाढ़ या तेज हवा से उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

यात्रियों के लिए 30 स्टेशनों.... बनाए हैं। रेलवे ने बताया है कि जिन स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, उनमें बिहार के पटना, दानापुर, गया, मुजफ्फरपुर, सहरसा, जयनगर, बरौनी, हाजीपुर, सीतामढ़ी, दरभंगा, सकरी, मधुबनी, बापूधाम मोतिहारी, रक्सौल, समस्तीपुर, भागलपुर, जसीडीह, जमालपुर, कटिहार, जोगबनी, फारबिसगंज, पूर्णिया, किशनगंज, बारसोई, छपरा, सीवान और उत्तर प्रदेश के पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, गोरखपुर, बनारस और बलिया जैसे 30 स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा देश के अन्य राज्यों में भी प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। रेलवे के अनुसार इन होल्डिंग एरिया का मुख्य उद्देश्य स्टेशन परिसर में समय से पहले पहुंचने वाले यात्रियों को सुव्यवस्थित रूप से ठहराना और ट्रेन के प्रस्थान के समय उन्हें कतारबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म तक पहुंचाना है, ताकि किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी या भीड़भाड़ से बचा जा सके। रेलवे ने कहा है कि स्टेशन परिसर और उसके आस-पास बनाए गए इन होल्डिंग एरिया में यात्रियों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, पंखा, शौचालय, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, पूछताछ केंद्र, यूटीए तथा एमयूटीएस टिकटिंग, रियल टाइम ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड और चिकित्सा सहायता बूथ जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों को समय-समय पर आवश्यक जानकारी अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से दी जा रही है। रेलवे ने कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और हीट मैपिंग तकनीक के जरिए भी भीड़ की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। छठ महापर्व के इस पावन अवसर पर रेलवे द्वारा हर स्तर पर समुचित व्यवस्थाओं पर यात्री संतुष्ट दिख रहे हैं।

वक्फ बिल को कूड़ेदान में.... सरकार से थक चुकी है। सीएम अपने होश में नहीं है। सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा- अगर हम सत्ता में आए तो क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सीमांचल विकास प्राधिकरण का गठन करेंगे। बता दें कि पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और कटिहार जिलों वाले इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी है।

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगरर्मियों के बीच आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कई रविवार को कई बड़ी घोषणाएं की हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर इस इंडिया गठबंधन को सत्ता में आने मौका मिला तो पंचायत राज प्रणाली के प्रतिनिधियों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली वितरकों और स्वयं-रोजगार वाले लोगों के लिए कई अहम योजनाएं लागू होंगी। उन्होंने कहा कि पंचायत राज प्रणाली के प्रतिनिधियों को वर्तमान भत्तों की दर को दोगुना किया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें पेंशन मिलनी शुरू होगी और 50 लाख का बीमा कवर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पीडीएस वितरक-पैरा के प्रति क्विंटल मार्जिन राशि में भी अहम वृद्धि की जाएगी।

लोग अराजकता के दौर में.... निकल पाते थे। हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। राज्य में अपहरण का धंधा उद्योग का रूप धारण कर चुका था। शोरूम से दिनदहाड़े गाड़ियां लूट ली जाती थीं। उन्होंने कहा कि अपराधियों के भय से कोई नई गाड़ी नहीं खरीदना चाहता था। पैसा रहते हुए भी कोई नया मकान नहीं बनाना चाहता था। राज्य में रंगदारों के आतंक की वजह से उद्योग धंधे बंद हो चुके थे। राज्य से डॉक्टर-इंजीनियर पलायन कर रहे थे।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली * फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।